website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 347 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 23 नवंबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

SIR पर सियासी घमासान तेज:
अखिलेश के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार, कहा—'बेतुका और बेमतलब बयान'

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर दिए गए बयान पर बीजेपी ने जोरदार हमला बोला है। भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अखिलेश यादव बेतुके और बेमतलब के बयान देते हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भी जनता ने उन्हें नकार दिया है और जिनके समर्थन में वे बिहार गए थे, वे भी औंधे मुंह गिरे हैं। अखिलेश यादव ने शनिवार (22 नवंबर) को आरोप लगाया था कि बीजेपी चुनाव आयोग के साथ मिलकर 50,000 वोट काटने की तैयारी कर रही है। इस बयान के बाद सियासी हलकों में हलचल तेज हो गई। अखिलेश ने कहा था कि यूपी और पश्चिम बंगाल में बड़ी साजिश के तहत SIR का बहाना बनाकर वोट कैंसिल करने की कोशिश हो रही है, खासकर उन सीटों पर जहां 2024 में सपा और INDIA गठबंधन जीते थे।

बीजेपी का पलटवार

बीजेपी सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि अखिलेश यादव अब मीडिया और सोशल मीडिया पर बयानबाज़ी कर सुर्खियां बटोरने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनता लगातार सपा को नकार रही है, और अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए अखिलेश ऐसे बयान दे रहे हैं जिनका कोई मतलब नहीं है। सांसद ने सलाह दी कि अखिलेश को अपने संगठन को मजबूत करने पर ध्यान देना चाहिए।

50,000 वोट काटने की साजिश का आरोप

अखिलेश यादव ने दावा किया कि बिहार चुनाव के बाद कई स्रोतों से जानकारी मिली है कि बीजेपी, उसकी सरकार और चुनाव आयोग SIR की आड़ में बड़े पैमाने पर वोट कैंसिल करने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में यह शुरू हो चुका है और पश्चिम बंगाल में इसकी तैयारी चल रही है। उन्होंने चेताया कि सपा और INDIA गठबंधन इस साजिश को रोकने के लिए सतर्क हैं।

जी20 शिखर सम्मेलन का आग़ाज़:
प्रधानमंत्री मोदी कई अहम सत्रों में करेंगे भागीदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग पहुंच चुके हैं। आज से जी20 शिखर सम्मेलन शुरू हो रहा है। इस मौके पर पीएम मोदी कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे।

जी20 में पीएम मोदी तीनों सेशन में शामिल होंगे, जो इनक्लूसिव इकोनॉमिक ग्रोथ, क्लाइमेट रेजिलिएंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर होंगे

जी20 में पीएम मोदी तीनों सेशन में शामिल होंगे, जो इनक्लूसिव इकोनॉमिक ग्रोथ, क्लाइमेट रेजिलिएंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर होंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से साझा जानकारी के अनुसार पीएम मोदी जी20 एजेंडा पर भारत की सोच दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे।

सत्र की थीम में समावेशी और सतत विकास, व्यापार की भूमिका, विकास वित्त और कर्ज बोझ जैसे मुद्दे केंद्र में रखे गए हैं

विदेश मंत्रालय की ओर से साझा बयान में कहा गया कि सेशन के थीम में तीन मुद्दों को शामिल किया गया है। पहला मुद्दा समावेशी और सस्टेनेबल इकोनॉमिक ग्रोथ जिसमें कोई पीछे न छूटे: हमारी अर्थव्यवस्थाओं का निर्माण, व्यापार की भूमिका, विकास के लिए फाइनेंसिंग और कर्ज का बोझ है। दूसरा विषय एक मजबूत दुनिया में जी20 का योगदान: आपदा जोखिम में कमी, क्लाइमेट चेंज, सही एनर्जी बदलाव, और फ़ूड सिस्टम है। तीसरा थीम सभी के लिए एक सही और न्यायपूर्ण भविष्य: जरूरी मिनरल्स, अच्छा काम, और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है।

इसके अलावा जी20 समिट से इतर पीएम मोदी जोहान्सबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करने जा रहे हैं

इसके अलावा जी20 समिट से इतर पीएम मोदी जोहान्सबर्ग में मौजूद कुछ नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठक भी करने जा रहे हैं। इसकी शुरुआत पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय बैठक करके की। पीएम मोदी दक्षिण अफ्रीका की अध्यक्षता में हो रही इंडिया-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका (आईबीएसए) लीडर्स मीटिंग में भी हिस्सा लेंगे। यह ग्लोबल साउथ में होने वाला लगातार चौथा जी20 समिट होगा।

पीएम मोदी ने कहा कि जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलियाई पीएम अल्बनीज के साथ उनकी बैठक बेहद उपयोगी और सकारात्मक रही

जोहान्सबर्ग में ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात को लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीज के साथ मीटिंग बहुत अच्छी रही। इस साल, हमारे देशों के बीच स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप के 5 साल पूरे हो रहे हैं और इन सालों में ऐसे बड़े बदलाव आए हैं जिनसे हमारा सहयोग और गहरा हुआ है।"

बातचीत में रक्षा-सुरक्षा, परमाणु ऊर्जा और व्यापार को मजबूत सहयोग वाले प्रमुख क्षेत्रों के रूप में रेखांकित किया गया

उन्होंने आगे लिखा कि आज हमारी बातचीत में, तीन खास सेक्टर, डिफेंस और सिक्योरिटी, न्यूक्लियर एनर्जी, और ट्रेड पर जोर दिया गया, जहां रिश्तों को और बढ़ाने की बहुत ज्यादा गुंजाइश है। जिन दूसरे सेक्टर पर बात हुई उनमें एजुकेशन, कल्चरल लेन-देन, और भी बहुत कुछ शामिल था।

ट्रम्प—पुतिन अफसरों की सीक्रेट मीटिंग पर बड़ा विवाद

-दावा—यहीं तैयार हुआ यूक्रेन युद्ध खत्म करने का 28 पॉइंट प्लान, कई अमेरिकी अधिकारियों को भनक तक नहीं

वॉशिंगटन । यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए अमेरिकी और रूसी अधिकारियों की एक गुप्त बैठक का खुलासा होते ही वॉशिंगटन में राजनीतिक बवाल मच गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यह मीटिंग अक्टूबर में फ्लोरिडा के मियामी में हुई, लेकिन इसकी जानकारी अमेरिकी विदेश विभाग और नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के कई वरिष्ठ अधिकारियों तक नहीं पहुंची। सरकार की सामान्य प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए यह बैठक इतनी सीक्रेट रखी गई कि न किसी ने अनुमति मांगी, न आधिकारिक मंजूरी ली गई। सूत्रों के मुताबिक इसी दौरान यूक्रेन जंग खत्म करने का 28-पॉइंट वाला प्रस्ताव तैयार किया गया।

मीटिंग में कौन थे शामिल?

मीटिंग में शामिल थे— स्टीव विटकॉफ, ट्रम्प प्रशासन के विशेष दूत, जारेड कुशनर, ट्रम्प के दामाद और सलाहकार

किरिल दिमित्रिएव, रूस के सॉवरेन वेल्थ फंड RDIF के प्रमुख

दिमित्रिएव 2022 से अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में हैं, लेकिन उन्हें खास छूट देकर अमेरिका बुलाया गया। उन्हें पुतिन का सबसे करीबी सलाहकार माना जाता है और यूक्रेन से जुड़ी वार्ताओं में उनका अहम रोल रहा है। सरकार के कई अधिकारियों ने इस सीक्रेट मीटिंग पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि विदेश नीति पर इतनी बड़ी बातचीत बिना किसी अनुमति के होना बेहद चिंताजनक है।

ट्रम्प का 28 पॉइंट प्लान—यूक्रेन को देना होगा 20% क्षेत्र

बैठक के बाद ट्रम्प प्रशासन ने जो प्लान बनाया, उसमें कई विवादित बिंदु शामिल हैं— यूक्रेन को अपना लगभग 20% क्षेत्र रूस को सौंपना होगा। इसमें डोनबास का इलाका भी शामिल है। यूक्रेन सिर्फ 6 लाख सैनिकों वाली सेना ही रख सकेगा। नाटो की सदस्यता नहीं मिलेगी और नाटो सेनाएं यूक्रेन में नहीं रह सकेंगी। रूस अगर इन शर्तों को मानता है तो उस पर लगे सभी प्रतिबंध हट जाएंगे। यूरोप में जब्त की गई रूस की करीब 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति भी डीफ्रीज कर दी जाएगी। ट्रम्प इस प्लान को "स्थायी शांति" का रास्ता बता रहे हैं, जबकि यूरोपीय देशों ने इसका विरोध किया है। ब्रिटेन के PM कीर स्टार्मर, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों और जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्त्ज ने साफ कहा— "हम यूक्रेन के साथ हैं।"

जेलेंस्की को 27 नवंबर तक अल्टीमेटम

ट्रम्प ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को 27 नवंबर तक जवाब देने का अल्टीमेटम दिया है। रूस ने अमेरिकी प्लान का खुलेआम समर्थन किया है। पुतिन ने कहा— "ट्रम्प का प्लान यूक्रेन में स्थायी शांति की बुनियाद रखता है।" जेलेंस्की का बड़ा बयान—"हम जमीन भी खो सकते हैं, जमीर भी"

यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा— "हम अपनी जमीन और अपना जमीर— दोनों खोने के कगार पर हैं।" "अगर शर्तें मान लीं, तो देश का बड़ा हिस्सा हाथ से निकल जाएगा।" "और अगर शर्तें नहीं मानीं, तो हम अमेरिका जैसे एक मजबूत पार्टनर को भी खो सकते हैं।" उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति से सीधे बात करना चाहते हैं ताकि यूक्रेन का पक्ष मजबूती से रखा जा सके।

G20 समिट में PM मोदी ने वैश्विक विकास मॉडल पर पुनर्विचार करने पर दिया जोर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को G20 समिट में वैश्विक विकास के मौजूदा मानकों पर गहराई से पुनर्विचार करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने "Inclusive and sustainable economic growth leaving no one behind" नामक सत्र को संबोधित करते हुए यह बात कही। PM मोदी ने कहा कि वर्षों से G20 ने दुनिया की अर्थव्यवस्था और विकास के ढांचे को दिशा दी है, लेकिन वर्तमान मॉडल ने बड़ी आबादी को संसाधनों से वंचित कर दिया है और प्रकृति के अति-दोहन को बढ़ावा दिया है। उन्होंने विशेष रूप से कहा कि इन चुनौतियों का सबसे अधिक असर अफ्रीका में महसूस किया जाता है। यह पहली बार है जब G20 समिट अफ्रीका में आयोजित हो रहा है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में तीन नई और महत्वपूर्ण वैश्विक पहलें पेश की। पहली पहल 'ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपोजिटरी' (Global Traditional Knowledge Repository) है। PM मोदी ने बताया कि दुनिया की कई समुदाय पारंपरिक, प्रकृति-संतुलित और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध जीवनशैली का पालन करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि G20 के तहत एक वैश्विक भंडार बनाया जाए, जिसमें ऐसे ज्ञान और अनुभव को दर्ज किया जाए। यह पहल भविष्य की पीढ़ियों तक टिकाऊ जीवन शैली से जुड़े समय-परीक्षित मॉडल पहुंचाने में मदद करेगी। उन्होंने कहा कि

भारतीय ज्ञान परंपरा इस वैश्विक प्लेटफार्म की आधारशिला बन सकती है। दूसरी पहल 'G20-Africa Skills Multiplier Initiative' है, जिसमें PM मोदी ने कहा कि अफ्रीका का विकास पूरी दुनिया के हित में है। इस कार्यक्रम के तहत train-the-trainers मॉडल लागू किया जाएगा। सभी G20 सदस्य देश मिलकर इसे वित्तीय और तकनीकी सहयोग देंगे। लक्ष्य है कि अगले 10 वर्षों में अफ्रीका में 10 लाख प्रशिक्षित ट्रेनर्स तैयार किए जाएं, जो आगे लाखों युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देंगे। तीसरी और अहम घोषणा 'G20 Initiative on Countering the Drug-Terror Nexus' की थी। PM मोदी ने कहा कि ड्रग तस्करी और आतंकवाद एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और यह वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है। यह पहल वित्तीय, सुरक्षा और प्रशासनिक तंत्रों को एकजुट करके ड्रग-तस्करी के नेटवर्क को रोकने, अवैध धन के प्रवाह को रोकने और आतंकवाद की आर्थिक सप्लाई को कमजोर करने में मदद करेगी। PM मोदी की इन तीनों पहलों का उद्देश्य वैश्विक विकास को अधिक समावेशी, टिकाऊ और सुरक्षित बनाना है।

दिल्ली ब्लास्ट केस:
आरोपी जसीर वानी ने NIA कोर्ट से वकीलों से मुलाकात की मंजूरी मांगी

नई दिल्ली । दिल्ली ब्लास्ट को अंजाम देने वाले आतंकी डॉ. उमर मुहम्मद के साथी जसीर बिलाल वानी ने एनआईए कोर्ट में एक अर्जी देकर एजेंसी हेडक्वार्टर में अपने वकीलों से मिलने की इजाजत मांगी है। सूत्रों ने शनिवार को यह जानकारी दी। पटियाला हाउस एनआईए कोर्ट शनिवार को वानी की अर्जी पर सुनवाई करेगी। एनआईए ने जसीर बिलाल वानी को आतंकवादी डॉ. उमर का एक्टिव को-कॉन्स्पिरेटर बताया है। उसे 17 नवंबर को श्रीनगर से गिरफ्तार किया गया था।

पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 नवंबर को जसीर बिलाल वानी को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेज दिया था

पटियाला हाउस कोर्ट ने 18 नवंबर को जसीर बिलाल वानी को 10 दिन की एनआईए कस्टडी में भेज दिया था। एनआईए ने वानी को दिल्ली ब्लास्ट के सिलसिले में कोर्ट में पेश किया, जिसमें 13 लोगों की जान चली गई थी। एजेंसी के मुताबिक, जांच में पता चला है कि उसने कथित तौर पर आतंकवादी हमले करने के लिए टेक्निकल मदद दी थी। खबर है कि वह जानलेवा कार बम ब्लास्ट से पहले ड्रोन को मॉडिफाई करने और रॉकेट बनाने की कोशिश में शामिल था।

अनंतनाग के काजीगुंड निवासी जसीर वानी ने आतंकी डॉ. उमर मुहम्मद नबी के साथ मिलकर हमले की साजिश रची और उसे अंजाम दिया

आरोपी जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के काजीगुंड का रहने वाला है और उसने आतंकवादी डॉ. उमर मुहम्मद नबी के साथ मिलकर आतंकवादी हमले की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया था। एनआईए बम धमाके के पीछे की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए कई एंगल से जांच कर रही है। एंटी-टेरर एजेंसी की कई टीमें अलग-अलग सुरागों का पीछा कर रही हैं और हमले में शामिल हर व्यक्ति की पहचान करने की कोशिश में कई राज्यों में तलाशी ले रही हैं।

पुलिस को पता चला है कि जैश-ए-मोहम्मद के एक ऑपरेटिव ने ही आरोपियों को बम बनाने का तरीका बताया था

इस बीच, पुलिस 10 नवंबर को दिल्ली के मशहूर लाल किले के पास हुए धमाके में जैश-ए-मोहम्मद का लिंक जोड़ने में कामयाब रही है। पुलिस को पता चला है कि जैश-ए-मोहम्मद के एक ऑपरेटिव ने ही आरोपियों को बम बनाने का तरीका बताया था।

आरोपी 200 बम तैयार करने की तैयारी में थे, जिन्हें दिल्ली और उत्तर भारत के दूसरे हिस्सों में एक साथ फोड़ना था

एक और बड़ा खुलासा यह हुआ है कि आरोपी 200 बम तैयार करने की तैयारी में थे, जिन्हें दिल्ली और उत्तर भारत के दूसरे हिस्सों में एक साथ फोड़ना था। प्लान उत्तर भारत के राज्यों में बम धमाके करने का था, और इसके लिए आईएसआई ने फरीदाबाद मॉड्यूल का हिस्सा रहे आरोपियों को ट्रेनिंग देने के लिए जैश-ए-मोहम्मद के एक ऑपरेटिव को चुना था। अधिकारियों ने टेरर मॉड्यूल की जांच तेज कर दी है।

उदयपुर में रॉयल वेडिंग:
रणवीर सिंह संग थिरके ट्रम्प जूनियर, जेनिफर लोपेज का हुआ शाही स्वागत

उदयपुर। उदयपुर की रॉयल वेडिंग में शुक्रवार रात बॉलीवुड और हॉलीवुड का ग्लैमरस संगम देखने को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बेटे डोनाल्ड ट्रम्प जूनियर और उनकी गर्लफ्रेंड बेटिना एंडरसन ने बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह के साथ स्टेज पर धमाकेदार डांस किया। दोनों ने बारातियों के साथ पारंपरिक राजस्थानी साफा भी बांधा। अमेरिकी बिजनेसमैन रामा राजू मंटेना की बेटी नेत्रा मंटेना और वामसी गडिराजू की शादी में रणवीर सिंह, वरुण धवन, कृति सेनन और जैकलीन फर्नांडीस के परफॉर्मेंस ने मेहमानों को झूमने पर मजबूर कर दिया। करण जौहर ने दूल्हा-दुल्हन के साथ लाइव टॉक शो कर माहौल और भी यादगार बना दिया। उधर, शुक्रवार रात जेनिफर लोपेज उदयपुर पहुंचीं, जिनका लीला होटल में फूल बरसाकर पारंपरिक स्वागत हुआ। आज होने वाली हॉलीवुड नाइट में जेनिफर लोपेज और जस्टिन बीबर सिटी पैलेस के माणक चौक में परफॉर्म करेंगे।

बरेली हिंसा मामले में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई:
मौलाना तौकीर के करीबी की 16 दुकानें और 1 शोरूम पर बुलडोजर, विरोध के बाद धारा 144 लागू

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के बरेली में 26 सितंबर को हुई हिंसा के बाद प्रशासन लगातार कठोर रवैया अपना रहा है। जहां बवाल के मास्टरमाइंड बताए जा रहे मौलाना तौकीर रजा फतेहगढ़ जेल में बंद हैं, वहीं उनके करीबी मोहम्मद आरिफ पर बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने बड़ा एक्शन लिया है। शनिवार (22 नवंबर) को बीडीए की टीम ने आरिफ के अवैध निर्माण पर बुलडोजर चला दिया। कार्रवाई के तहत जगतपुर में स्थित 16 दुकानों वाली दो मंजिला मार्केट और पीलीभीत बाईपास पर बने एक शोरूम को ढहा दिया गया। घटनास्थल पर किसी भी तरह की गड़बड़ी रोकने के लिए बड़ी संख्या में सुरक्षाबल तैनात किया गया था। बरेली विकास प्राधिकरण के अनुसार यह पूरा ढांचा गैर-कानूनी रूप से बनाया गया था। CO सिटी पंकज श्रीवास्तव ने बताया कि बरादरी थाना क्षेत्र में दो जगहों पर तोड़फोड़ की जा रही है—एक स्थान पर 16 दुकानें और दूसरे स्थान पर एक शोरूम। पुलिस ने

सुरक्षा की विशेष व्यवस्था की है। बीडीए के जॉइंट सेक्रेटरी दीपक कुमार ने कहा कि लोगों को पहले से अवगत करा दिया गया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह मामला आरिफ नामक व्यक्ति से संबंधित है और संबंधित आदेश वर्ष 2024 में ही जारी किए गए थे।

दुकानदारों का विरोध, धारा 144 लागू

जानकारी के अनुसार, जैसे ही बीडीए टीम मौके पर पहुंची, दुकानदारों ने विरोध शुरू कर दिया। प्रशासन की ओर से पहले ही नोटिस जारी किया गया था, बावजूद इसके हंगामा हुआ। स्थिति देखते हुए बीडीए ने दुकानदारों को सामान हटाने के लिए कुछ घंटे का समय दिया और इसके साथ ही इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई। बताया जा रहा है कि आरिफ ने इन दुकानों को लगभग 30-30 लाख रुपये में बेचा था। जिन दुकानों की बिक्री नहीं हुई, उन्हें किराये पर दे दिया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इन दुकानों से हर महीने आठ से नौ हजार रुपये किराया वसूला जाता था।

अमेरिकी राष्ट्रपति—ममदानी मुलाक़ात पर शशि थरूर की प्रतिक्रिया

-लोकतांत्रिक परिपक्वता की मिसाल बताते हुए कांग्रेस पर साधा इशारा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी की शुक्रवार (21 नवंबर) को हुई मुलाक़ात ने सियासी हलकों में जोरदार चर्चा छेड़ दी है। इस मुलाकात पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार (22 नवंबर) को एक्स पर प्रतिक्रिया दी और इसे लोकतांत्रिक परिपक्वता का उदाहरण बताया। इसके साथ ही उन्होंने इशारों में कांग्रेस और भारतीय राजनीति पर भी निशाना साध दिया।

शशि थरूर ने क्या कहा?

थरूर ने अपनी पोस्ट में लिखा कि चुनावों में अपने विचारों के लिए पूरी ऊर्जा और जोश से लड़ना चाहिए, लेकिन चुनाव खत्म होने और जनता के फैसले के बाद राष्ट्रहित में मिलकर काम करना सीखना होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप और ममदानी ने जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्धता दिखाई है, यही लोकतंत्र की खूबसूरती है। थरूर ने आगे बताया कि वे भारत में भी ऐसा ही माहौल देखना पसंद करेंगे और इसकी दिशा में प्रयास करते रहेंगे।

ट्रंप ने की मेयर ममदानी की तारीफ

व्हाइट हाउस में चुनावी गर्माहट के बीच हुई इस मुलाकात में राष्ट्रपति ट्रंप ने ममदानी की तारीफ करते हुए कहा कि बैठक बेहद उत्पादक रही और न्यूयॉर्क को एक उत्कृष्ट मेयर मिलने जा रहा है। उन्होंने भरोसा जताया कि ममदानी, एक डेमोक्रेट होने के बावजूद, अपने काम से कई कट्टर रूढ़िवादी लोगों को भी चौंका देंगे। मीडिया बातचीत के दौरान एक रिपोर्टर ने मेयर ममदानी से पूछा— क्या ट्रंप 'फासीवादी' हैं? इस पर ट्रंप ने हंसते हुए व्यंग्य में कहा— "मेयर, आप 'हां' कह सकते हैं।" उनका यह बयान सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इस तरह थरूर ने इस मुलाकात को लोकतांत्रिक संवाद की मिसाल बताया और भारत की राजनीति में भी ऐसा सहयोगी माहौल बनने की इच्छा जताई।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला: राष्ट्रपति-राज्यपाल समयसीमा से बाध्य नहीं

सुप्रीम कोर्ट की पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि विधायिका द्वारा पारित विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए राष्ट्रपति या राज्यपाल को समयबद्ध रूप से बाध्य नहीं किया जा सकता। यह फैसला न केवल पूर्व के दो सदस्यीय पीठ के निर्णय को पलटता है, बल्कि संवैधानिक संस्थाओं के बीच शक्ति-विभाजन के सिद्धांत को भी नई मजबूती प्रदान करता है। तमिलनाडु सरकार की याचिका के बाद बीते दिनों सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने कहा था कि संवैधानिक प्रमुख—चाहे वह राष्ट्रपति हों या राज्यपाल—उन्हें विधेयकों पर तय समयसीमा में निर्णय देना चाहिए। इस निर्णय ने एक व्यापक संवैधानिक बहस छेड़ दी थी कि क्या न्यायपालिका सर्वोच्च संवैधानिक पदों को उनके निर्णय लेने के अधिकारों में बाँध सकती है? इसी संदर्भ में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भी सर्वोच्च न्यायालय से विधिक सलाह मांगी थी। इन सभी पहलुओं पर विचार करते हुए मुख्य न्यायाधीश बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली पाँच सदस्यीय संविधान पीठ ने साफ कहा कि पूर्व का निर्णय न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर था। राष्ट्रपति और राज्यपाल के सीमित विवेकाधीन अधिकारों को न्यायपालिका द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह संविधान की बुनियादी संरचना में हस्तक्षेप के समान होगा। इस प्रकार अदालत ने यह रेखांकित किया कि संवैधानिक प्रमुखों को समयसीमा में बाँधना न्यायपालिका का काम नहीं है और ऐसा करना शक्ति-विभाजन की भावना के विरुद्ध है। हालाँकि, इतना कहने के बाद भी संविधान पीठ ने दो सदस्यीय पीठ के एक महत्वपूर्ण अवलोकन को स्वीकार किया—यह कि राष्ट्रपति या राज्यपाल विधेयकों को अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रख सकते। यदि संवैधानिक प्रमुख बिना उचित कारण किसी विधेयक पर अत्यधिक विलंब करते हैं, तो संबंधित राज्य सरकार या पक्षकार अदालत का दरवाज़ा खटखटा सकता है। इस तरह सुप्रीम कोर्ट ने विवेक और उत्तरदायित्व—दोनों के बीच संतुलन कायम करने की कोशिश की है। फैसले का सबसे बड़ा संदेश केंद्र और राज्य सरकारों के लिए है। अदालत ने साफ कहा कि यह उम्मीद नहीं की जानी चाहिए कि राष्ट्रपति या राज्यपाल केवल "रबर स्टाम्प" की तरह कार्य करें। उनका पद और भूमिका संवैधानिक विवेक, संतुलन और निष्पक्षता पर आधारित है। अतः राज्य सरकारों पर यह दायित्व है कि वे संवैधानिक प्रमुख को पूरा तथ्यपरक, विधिक और प्रक्रियात्मक आधार प्रदान करें, ताकि वे सूचित निर्णय ले सकें। यह फैसला लोकतंत्र के उस मूलभूत सिद्धांत को भी दोहराता है कि चुनाव जितने महत्वपूर्ण हैं, उतनी ही महत्वपूर्ण संस्थाओं के बीच स्पष्ट सीमाएँ और सामंजस्य भी हैं। जब तक न्यायपालिका अपने दायरे को समझती है, विधायिका अपनी भूमिका का सम्मान करती है, और कार्यपालिका संपूर्ण प्रक्रिया को सुचारू तरीके से चलाती है।

बिहार की सत्ता का संतुलन: नीतीश की दसवीं ताजपोशी और भाजपा की रणनीतिक मजबूरियां

-सबसे बड़े दल बनने के बावजूद भाजपा ने नीतीश पर जताया भरोसा

बिहार की राजनीति हमेशा से देश की सबसे दिलचस्प, सबसे उलझी हुई और सबसे अस्थिर सियासत मानी जाती है। यहां की राजनीतिक ज़मीन कभी सीधी नहीं रही—यहां समीकरण हर चुनाव के साथ बदलते हैं, गठबंधन रातों-रात पलट जाते हैं और नेता ऐसी बाज़ी खेल जाते हैं जिसकी उम्मीद कोई नहीं करता। इस बार का जनादेश भी ठीक कुछ ऐसा ही रहा। एक बार फिर नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की दसवीं बार शपथ लेकर यह साबित कर दिया कि उनकी सियासी क़ाबिलियत को आज भी बिहार में कोई चुनौती नहीं दे सकता, चाहे हवा कैसी भी हो और माहौल कितना भी मुश्किल। नीतीश कुमार की राजनीति का ट्रैक रिकॉर्ड भी यही बताता है। दो दशकों से अधिक समय में बिहार के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने का रिकॉर्ड उनके नाम है, लेकिन वे यह ताज हमेशा एक ही साथी के सहारे नहीं लेकर चले। कभी बीजेपी के साथ, कभी लालू यादव के आरजेडी के साथ, कभी अकेले—सियासत में उनकी हर साझेदारी की अपनी कीमत और अपनी मजबूरी रही। लेकिन दिलचस्प बात यह कि जब भी लगता था कि अब नीतीश का दौर ख़त्म होने वाला है, उसी समय वे नए समीकरण बनाकर फिर सत्ता में आ जाते हैं। यही वजह है कि उन्हें 'अपरिहार्य' यानी अनिवार्य नेता के रूप में देखा जाने लगा है।

इस बार का जनादेश: अंकों का खेल लेकिन सत्ता वही

नवीनतम विधानसभा चुनाव में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू (JDU) की सीटें 43 से बढ़कर 85 तक पहुंच गईं। यह काफ़ी बड़ी सफलता कही जा सकती है। लेकिन दूसरी तरफ बीजेपी 89 सीटों के साथ सबसे बड़ा दल बनकर उभरी। आंकड़ों के हिसाब से देखा जाए तो मुख्यमंत्री बनने का नैतिक और राजनीतिक दावा बीजेपी का ज़्यादा मज़बूत दिखाई देता है। लेकिन राजनीति सिर्फ नंबरों का खेल नहीं है—यह अनुभव, स्थिरता और भविष्य की रणनीति का भी खेल है। बिहार के जनादेश ने एक तरफ भाजपा को मजबूत किया, लेकिन दूसरी तरफ उसे यह भी अहसास कराया कि अकेले खड़ा होना अभी आसान नहीं। महागठबंधन (आरजेडी–कांग्रेस–लेफ्ट) की करारी हार के बावजूद स्थिति ऐसी बनी कि बीजेपी यदि मुख्यमंत्री बनाती तो यह जोखिम होता। सरकार चलाने का अनुभव बीते वर्षों में अक्सर नीतीश के पास ही रहा है, और जनता के बीच भी वे एक संतुलित नेतृत्व के तौर पर पहचाने जाते हैं। बीजेपी को महसूस हुआ कि सत्ता की बागडोर अपने हाथ लेने की जल्दबाज़ी कहीं उल्टी न पड़ जाए, खासकर उस समय जब केंद्र की राजनीति में भी सहयोगियों का महत्व बढ़ गया है।

नीतीश के पास पाला बदलने का विकल्प क्यों नहीं था?

बीते कई चुनावों की तरह इस बार भी लोगों को लगा था कि यदि स्थिति थोड़ी-बहुत बदली तो नीतीश कुमार फिर महागठबंधन की ओर रुख कर सकते हैं। लेकिन इस बार समीकरण बिल्कुल अलग था। महागठबंधन को जनता ने बड़े पैमाने पर नकार दिया और उसके पास मुख्यमंत्री का दावेदार होने की स्थिति ही नहीं बची। इसके अलावा, केंद्र की राजनीति भी आज पहले जैसी नहीं है। 240 सीटों वाली बीजेपी को अपनी सरकार को स्थिर रखने के लिए जेडीयू और तेलुगू देशम पार्टी (TDP) के सांसदों के समर्थन की बेहद ज़रूरत है। ऐसे में नीतीश का NDA छोड़ना न सिर्फ़ मुश्किल, बल्कि अव्यावहारिक था। इसलिए उन्हें भी गठबंधन में बने रहना ही सबसे बेहतर रास्ता लगा।

बीजेपी का रणनीतिक धैर्य: मुख्यमंत्री का सपना अभी अधूरा

बिहार का राजनीतिक परिदृश्य भले ही बीजेपी के अनुकूल दिखाई देता है, लेकिन पार्टी ने कुछ कारणों से इस बार भी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर दावा ठोकने से परहेज़ किया—

भाजपा को केंद्र में स्थिरता चाहिए: नीतीश कुमार का समर्थन वर्तमान केंद्रीय सरकार के लिए बेहद आवश्यक है। उनके असहयोग या असंतोष से केंद्र की राजनीति में खिंचाव आ सकता है, जिसे बीजेपी कतई नहीं चाहेगी।

पश्चिम बंगाल चुनाव नज़दीक हैं: आने वाले कुछ महीनों में पश्चिम बंगाल चुनाव होने हैं, जहां बीजेपी अभी भी पूरी तरह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी है। ऐसे समय में सहयोगियों को नाराज़ करना रणनीतिक रूप से समझदारी नहीं होती।

बिहार की राजनीति अलग तजुर्बा मांगती है: यहां सिर्फ़ बड़ी संख्या में सीटें जीत लेना काफी नहीं होता। जातीय समीकरण, क्षेत्रीय नेता, स्थानीय मुद्दे, गठबंधन की परंपरा—सब कुछ मिलाकर नेतृत्व को स्थिरता चाहिए, जो नीतीश के पास है।

कद और पद का नया समीकरण: जब लोग कहते हैं कि बीजेपी के पास बिहार में 'कद्दावर नेता' नहीं है, तो यह आधा सच है। आज की राजनीति में कद से ज्यादा पद मायने रखता है। यानी नेता को पद दो, उसका कद अपने आप बढ़ जाता है — लेकिन बिहार जैसी संवेदनशील राजनीति में यह प्रयोग तुरंत नहीं किया जा सकता।

नीतीश की राजनीति: राष्ट्रीय महत्व के साथ प्रदेश की मजबूरी

नीतीश कुमार को समझने के लिए सिर्फ बिहार नहीं, बल्कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति की भूमिका को भी देखना होगा। केंद्र में सरकार की स्थिरता सुनिश्चित करने में वे एक भरोसेमंद सहयोगी माने जाते हैं। उनकी पार्टी भले छोटी हो, लेकिन समय-समय पर वह 'किंगमेकर' की भूमिका निभाती आई है। बिहार में उन्हें मुख्यमंत्री बनाए रखने के पीछे बीजेपी का यह तर्क भी है कि यदि नीतीश को किनारे किया गया तो वे 'तीसरा रास्ता' अपनाने से नहीं चूकेंगे। यह जोखिम कोई भी राष्ट्रीय पार्टी आसानी से उठा नहीं सकती।

JDU और BJP का रिश्ता: साथ भी, तकरार भी

बीजेपी और जेडीयू का रिश्ता हमेशा सीधा-सपाट नहीं रहा। कभी दोस्ती, कभी दूरी, कभी गठबंधन, कभी अलगाव—दोनों दलों के बीच उतार-चढ़ाव का लंबा इतिहास है। लेकिन यह भी सच है कि बिहार में सबसे प्रभावी सरकारें तभी बनी हैं जब दोनों साथ रहे। नीतीश कुमार और बीजेपी का यह गठबंधन एक-दूसरे की मजबूरी के साथ-साथ एक-दूसरे की ज़रूरत भी है। बीजेपी यह बखूबी जानती है कि बिहार में अचानक मुख्यमंत्री बदल देना या नीतीश को दरकिनार करना सामाजिक समीकरणों में खलल डाल सकता है—जिसका फायदा विपक्ष उठा सकता है। इसलिए फिलहाल उसने लंबी दूरी की रणनीति अपनाई है।

नई सरकार के सामने चुनौतियाँ: सबको साथ लेकर चलने की परीक्षा

नीतीश कुमार की यह दसवीं शपथ जितनी ऐतिहासिक है, उतनी ही चुनौतीपूर्ण भी। उनके सामने कई बड़े मोर्चे हैं—

गठबंधन में संतुलन: एनडीए में जेडीयू और बीजेपी दोनों का अपना-अपना वोट बैंक और एजेंडा है। दोनों को साधना आसान नहीं होता। मंत्रालयों का बंटवारा, नीति निर्माण और नेतृत्व—हर जगह सावधानी बरतनी होगी।

बिहार का विकास एजेंडा: बिहार आज भी शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग और रोजगार जैसे क्षेत्रों में पीछे है। युवा बड़ी संख्या में रोजगार की मांग कर रहे हैं। नीतीश की सरकार पर यह दबाव पहले से ज्यादा है।

जातीय समीकरण को संभालना: बिहार की राजनीति में जातीयता एक गहरे स्तर पर मौजूद है। किसी भी फैसले का असर सीधे चुनावी गणित पर पड़ता है। नीतीश को इसमें संतुलन बनाना पड़ेगा।

विपक्ष का नया स्वरूप:

मुसलमानों के लिए गतिशीलता का एकमात्र रास्ता: शिक्षा

भारत में सामाजिक गतिशीलता के लिए शिक्षा सबसे निर्णायक साधन बनी हुई है, खासकर उन समुदायों के लिए जो ऐतिहासिक रूप से आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में हाशिए पर रहे हैं। इनमें से, मुसलमान, जो कुल आबादी का 14.2 प्रतिशत हैं, अपनी ऊपर की ओर गतिशीलता में बाधा डालने वाली संरचनात्मक कमियों से जूझ रहे हैं। सच्चर समिति की रिपोर्ट (2006) ने मुसलमानों में शिक्षा के तीव्र अभाव को रेखांकित किया, जिसमें निम्न साक्षरता और गुणवत्तापूर्ण स्कूली शिक्षा तक पहुँच की कमी को गहरी गरीबी और औपचारिक रोजगार में सीमित प्रतिनिधित्व से जोड़ा गया। लगभग दो दशक बाद, हालाँकि प्रगति दिखाई दे रही है, लेकिन इसकी गति असमान और प्रणालीगत चुनौतियों से भरी हुई है। शिक्षा केवल रोजगार का मार्ग नहीं है; यह सम्मान, आत्मविश्वास और राष्ट्रीय मुख्यधारा में भागीदारी का प्रवेश द्वार है।

यूडीआईएसईप्लस (2024-25) के हालिया आंकड़ों के अनुसार, स्कूलों में मुस्लिम छात्रों की नामांकन दर 15.9% है, जो उनकी जनसंख्या हिस्सेदारी से थोड़ा अधिक है। इससे पता चलता है कि अधिक मुसलमान प्राथमिक विद्यालय जा रहे हैं। हालांकि, माध्यमिक शिक्षा से परे प्रतिधारण में तेजी से गिरावट आती है, उच्चतर माध्यमिक नामांकन घटकर 11.9 प्रतिशत रह जाता है। लैंगिक असमानताएं बनी रहती हैं, हालांकि मुस्लिम लड़कियों ने सराहनीय लाभ दिखाया है, लक्षित योजनाओं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के प्रभाव में 2014 से नामांकन में 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि, उच्च शिक्षा में परिवर्तन एक महत्वपूर्ण चुनौती बना हुआ है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) का कहना है कि विश्वविद्यालयों में मुसलमानों की संख्या 2020 में 5.5 प्रतिशत से घटकर 2021-22 में 4.87 प्रतिशत हो गई। यह गिरावट आर्थिक और सामाजिक दोनों बाधाओं के कारण है। मुस्लिम छात्रों के बीच माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने की दर बढ़ जाती है, जो कि कम उम्र में शादी, आर्थिक मजबूरियों और सुरक्षा चिंताओं, खासकर लड़कियों के लिए, के कारण होती है। मुसलमानों में शैक्षिक पिछड़ेपन के कारण बहुआयामी हैं। गरीबी, आवासीय अलगाव और अल्पसंख्यक-केंद्रित जिलों में अपर्याप्त बुनियादी ढांचे बहिष्कार का एक दुष्चक्र बनाते हैं। कई मुस्लिम बच्चे उर्दू-माध्यम संस्थानों या मदरसों में अपनी स्कूली शिक्षा शुरू करते हैं, और अधिकांश मदरसा स्नातक वित्तीय और तकनीकी बाधाओं के कारण उच्च शिक्षा जारी रखने में असमर्थ होते हैं। इसलिए, उन्हें आधुनिक तकनीक और नवाचार से लैस करने की आवश्यकता उत्पन्न होती है ताकि उनके स्नातक या तो नौकरी के बाजारों में या प्रतिस्पर्धी पैमाने पर उच्च शिक्षा के संस्थानों में स्थानांतरित हो सकें। मदरसों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने की योजना (एसपीक्यूईएम) और सर्व शिक्षा अभियान जैसी सरकार की पहल का उद्देश्य विज्ञान, गणित और भाषा प्रशिक्षण प्रदान करके इस अंतर को पाटना है। हालाँकि, इन कार्यक्रमों की पहुँच सीमित है, और नौकरशाही बाधाएँ उनके प्रभाव को कम करती हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम (2009) और एनईपी 2020 सार्वभौमिक पहुंच और समानता पर जोर देते हैं, जबकि कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (केजीबीवी) जैसी योजनाएं शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में मुस्लिम लड़कियों को लक्षित करती हैं। अल्पसंख्यक छात्रवृत्ति, नया सवेरा जैसे मुफ्त कोचिंग कार्यक्रम और जन शिक्षण संस्थानों के तहत व्यावसायिक प्रशिक्षण ने भागीदारी बढ़ाने की मांग की है। उच्च शिक्षा में, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय फैलोशिप ने नामांकन में वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इसका बंद होना सकारात्मक समर्थन में कमी का संकेत देता है, जिससे अल्पसंख्यक शिक्षा की संभावनाओं पर चिंता बढ़ जाती है और सरकार के लिए एक नई अल्पसंख्यक-केंद्रित छात्रवृत्ति योजना शुरू करना आवश्यक हो जाता है। सामाजिक बाधाओं के बावजूद, लचीलेपन की कहानियां प्रचुर मात्रा में हैं, पूरे भारत में, मुस्लिम छात्र दृढ़ संकल्प और समुदाय और सरकारी समर्थन के माध्यम से सफलता की कहानियों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं अपनी स्थापना के बाद से, इसने दर्जनों उम्मीदवारों को प्रमुख इंजीनियरिंग संस्थानों में सीटें सुरक्षित करने में सक्षम बनाया है, शैक्षिक ठहराव की रूढ़ियों को चुनौती दी है। इसी तरह, दिल्ली में क्रिसेंट सिविल सर्विस अकादमी ने आकांक्षा और उपलब्धि के बीच एक सेतु का प्रदर्शन करते हुए सौ से अधिक सिविल सेवकों को सफलतापूर्वक तैयार किया है। ये प्रयास राज्य की पहलों के पूरक के लिए समुदाय के नेतृत्व वाले संस्थानों की उत्प्रेरक भूमिका को रेखांकित करते हैं। असम के मूसा कलीम, जिन्होंने NEET UG 2024 में 99.97 पर्सेंटाइल स्कोर किया है, और उसी परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली उर्दू-माध्यम की छात्रा अमीना आरिफ कडीवाला, मुस्लिम उपलब्धि हासिल करने वालों की एक नई पीढ़ी का प्रतिनिधित्व करती हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए भाषाई और आर्थिक बाधाओं को पार करती हैं। भारत की पहली महिला मुस्लिम न्यूरोसर्जन मरियम अफीफा अंसारी जैसी महिलाएं समुदाय के भीतर लैंगिक छत को तोड़ने का प्रतीक हैं भारतीय मुसलमानों के लिए, हाशिए पर पड़े ढांचे को तोड़ने और राष्ट्र के विकास संवाद में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का यही एकमात्र व्यावहारिक रास्ता है। समुदाय गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रयासरत है, जो जमीनी स्तर पर लामबंदी, संस्थागत नवाचार और आकांक्षात्मक बदलावों में प्रकट होता है, और एक शांत क्रांति का संकेत देता है। भारत सरकार ठोस भागीदारी दिखा रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि संवैधानिक गारंटीएँ वास्तविक वास्तविकताओं में परिवर्तित हों। नागरिक समाज भी अपनी गति बनाए रखते हुए, ज्ञान तक पहुँच को लोकतांत्रिक बनाने वाली साझेदारियाँ बना रहा है। शिक्षा को दान के बजाय न्याय के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के रूप में देखा जाना चाहिए, और क्षमताओं के विकास में सकारात्मक कार्यों के महत्व पर ज़ोर दिया जाना चाहिए।

समावेशी विकास के लिए वक्फ प्रशासन का आधुनिकीकरण

वक्फ संस्था धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संपत्ति का एक इस्लामी दान है। इस संस्था ने ऐतिहासिक रूप से सामाजिक-आर्थिक कल्याण, सामुदायिक विकास और असमानता को दूर करने के एक स्तंभ के रूप में कार्य किया है। अनुमानों के अनुसार, भारत में 872,000 पंजीकृत वक्फ संपत्तियाँ मौजूद हैं, जो इसे विश्व स्तर पर सबसे बड़ा वक्फ पोर्टफोलियो बनाती हैं, जो भूमि के कब्जे के मामले में भारतीय रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद दूसरे स्थान पर है। इन संपत्तियों का मूल्य लगभग ₹1.2 लाख करोड़ (लगभग 14.4 बिलियन डॉलर) है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और गरीबी उन्मूलन के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करने की क्षमता को दर्शाता है। हालाँकि, वास्तविक आय ₹163 करोड़ प्रति वर्ष से भी कम है, जो उनकी अनुमानित क्षमता का 1% से भी कम है। यह घोर कमज़ोर प्रदर्शन वक्फ बोर्डों में प्रशासनिक विकृतियों, भ्रष्टाचार, क्षय, दस्तावेज़ीकरण में अनियमितताओं और जवाबदेही उपायों की कमी के कारण है। इनके अलावा, अतिक्रमण, पुरानी प्रबंधन पद्धतियों और कानूनी अस्पष्टताओं के मुद्दे ने वक्फ प्रशासन को त्रस्त कर दिया है। इन कमियों को समझते हुए, भारत सरकार ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025, जिसे उम्मीद अधिनियम (एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास) के रूप में भी जाना जाता है, को वक्फ ढांचे के आधुनिकीकरण और वक्फ परिसंपत्तियों की समावेशी क्षमता को उजागर करने के उद्देश्य से अधिनियमित किया। नया कानून पारदर्शिता, जवाबदेही और समावेशिता के उद्देश्य से कई सुधारों की शुरुआत करता है। सबसे परिवर्तनकारी प्रावधानों में से एक केंद्रीय प्रशासित पोर्टल पर सभी वक्फ संपत्तियों का अनिवार्य रिकॉर्ड रखना और डिजिटल पंजीकरण है। इस कदम से दोहराव, धोखाधड़ी और कुप्रबंधन पर अंकुश लगने की उम्मीद है, साथ ही संपत्ति के रिकॉर्ड पर वास्तविक समय में नज़र रखने और सार्वजनिक पहुँच को सक्षम करने की भी उम्मीद है। ऑडिट को जोड़ना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो सालाना ₹1 लाख से अधिक कमाने वाले संस्थानों के लिए अनिवार्य ऑडिट के लिए बाध्य करता है, वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और भ्रष्टाचार की गुंजाइश को कम करता है। "उपयोगकर्ता द्वारा वक्फ" की अवधारणा को समाप्त करना, जो पहले दीर्घकालिक धार्मिक उपयोग के आधार पर संपत्तियों को वक्फ घोषित करने की अनुमति देता था, वक्फ प्रशासन की दक्षता की दिशा में एक ठोस कदम माना जा रहा है। इस बदलाव का उद्देश्य विवादों को कम करना और स्वामित्व को स्पष्ट करना है, जिससे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण संपत्तियों की मान्यता रद्द होने की चिंताएँ दूर होंगी। यह अधिनियम वक्फ संस्थानों द्वारा बोर्डों को दिए जाने वाले अनिवार्य अंशदान को 7% से घटाकर 5% कर देता है, जिससे अधिक धनराशि धर्मार्थ पहलों के लिए निर्देशित की जा सकेगी। सुधारों पर सरकार का जोर वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं पर आधारित होने का तर्क दिया जा सकता है और इसका उद्देश्य वक्फ प्रबंधन को उसके आध्यात्मिक सार से समझौता किए बिना पेशेवर बनाना है। वास्तव में, मलेशिया मूल्यवान सबक प्रदान करता है क्योंकि उसने अस्पतालों, विश्वविद्यालयों और अन्य विकास परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए नकद वक्फ और कॉर्पोरेट वक्फ मॉडल का बीड़ा उठाया है। मलेशियाई उदाहरण वक्फ के निष्क्रिय भूमि स्वामित्व से सामाजिक-आर्थिक विकास के गतिशील इंजन के रूप में विकास को दर्शाता है। भारत भी इसी तरह की रणनीतियाँ अपना सकता है, खासकर व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य वक्फ संपत्तियों का मुद्रीकरण करके, पेशेवर संपत्ति प्रबंधन में निवेश करके, और रिकॉर्ड रखने के लिए जीआईएस मैपिंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों का लाभ उठाकर। इससे न केवल राजस्व सृजन में वृद्धि होगी, बल्कि सामुदायिक विश्वास भी बहाल होगा और नए बंदोबस्ती आकर्षित होंगे। वर्तमान वक्फ प्रबंधन पारिस्थितिकी तंत्र पेशेवर विशेषज्ञता और विकेंद्रीकृत प्रशासन की कमी से ग्रस्त है। मुतवल्लियों (कार्यवाहकों) और वक्फ बोर्ड के सदस्यों को आधुनिक प्रबंधन प्रथाओं, कानूनी अनुपालन और डिजिटल उपकरणों में प्रशिक्षित करना आवश्यक है, जिससे शासन में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे संस्थान वक्फ प्रशासन में कार्यकारी पाठ्यक्रम और प्रमाणन कार्यक्रम प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

किसानों के हक के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारी सैयद मीर तितू अली मीर

मीर तितू अली मीर, जिनका वास्तविक नाम सैयद मीर निसार अली था, उन्नीसवीं शताब्दी के बंगाल के एक प्रसिद्ध क्रांतिकारी, धार्मिक नेता और किसान आंदोलन के अगुवा थे। उनका जीवन सामाजिक न्याय, धार्मिक पुनरुत्थान,भूमि सुधार और ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध संघर्ष की मिसाल है। उनकी जीवनी स्वतंत्रता आंदोलन के शुरुआती प्रेरक तत्वों का तीखा परिचय देती है।

प्रारंभिक जीवन और शिक्षा-

मीर तितू अली मीर का जन्म 27 जनवरी 1782 को बंगाल प्रेसिडेंसी के 24 परगना जिले के चंदपुर गांव में एक मुस्लिम परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम मीर हसन अली था, जो धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से प्रतिष्ठित व्यक्ति थे. प्रारंभिक शिक्षा के दौरान ही मीर में सामाजिक जागरूकता और धार्मिक विश्वास की गहरी जड़ें पड़ गईं। सैयद मीर निसार अली 1822 में हज यात्रा के लिए मक्का की यात्रा की, जहाँ उनकी भेंट सैयद अहमद बरेलवी और फ़राज़ी आंदोलन के संस्थापक हाजी शरीयतुल्लाह से हुई। इस यात्रा ने उनके भीतर इस्लामी एकता और सामाजिक सुधार की भावना को मजबूत कर दिया। हज से लौटकर उन्होंने बंगाल के 24 परगना और नादिया में अपने अनुयायियों के बीच प्रचार कार्य आरंभ किया।

सामाजिक और किसान आंदोलन-

ब्रिटिश शासन और स्थानीय जमींदारों द्वारा किसानों पर होने वाले अत्याचारों ने मीर तितू को आंदोलित कर दिया। वे किसान समुदाय के अधिकारों के लिए खड़े हुए, विशेषतः धार्मिक, आर्थिक और सामाजिक उत्पीड़न के विरुद्ध मीर ने 'तारिक़-ए-मुहम्मदिया' नामक धार्मिक आंदोलन की शुरुआत की, जिसने बंगाल के किसानों को संगठित किया और उन्हें ब्रिटिश सत्ता तथा स्थानीय जमींदारों के विरोध के लिए प्रेरित किया। नारकेलबेरिया विद्रोहमीर तितू अली मीर के नेतृत्व में 1831 का नारकेलबेरिया विद्रोह हुआ, जो ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के विरुद्ध किसान जागृति का एक ऐतिहासिक अध्याय है। उन्होंने अपने अनुयायियों के साथ बारासात के निकट नारकेलबेरिया गाँव में बाँस का किला बनाया, जो उनके संघर्ष का प्रतीक था। उनकी सेना में करीब 14000 अनुयायी थे, जो मुख्य रूप से साधारण किसान थे। ये किसान अपनी आत्मरक्षा के लिए बाँस की लाठियों और कुछ पारंपरिक हथियारों से लैस थे।

ब्रिटिश और जमींदारों से टकराव-

नारकेलबेरिया में अंग्रेजी सेना और स्थानीय जमींदारों ने मीर के अनुयायियों पर हमला किया। एक वीरत्वपूर्ण संघर्ष के बाद, अंग्रेजों ने किले को ध्वस्त कर दिया, और तितुमीर को 19 नवंबर 1831 को शहादत नसीब हुई । उनके भतीजे गुलाम मसीह को फांसी दी गई, और सैकड़ों अनुयायियों को जेल और देशनिकाला हुआ। हालांकि उनका आंदोलन तत्काल सफल नहीं हुआ, परन्तु यह पहला बड़ा सशस्त्र किसान विद्रोह माना जाता है जो ब्रिटिश शासन के विरुद्ध हुआ था।

सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत-

मीर तितू अली मीर की कहानी सामूहिक संघर्ष, सामाजिक न्याय और धार्मिक जागरण की गाथा है। बंगाल की सांस्कृतिक स्मृति में वह किसान नेता और धर्मदूत के रूप में अमर हैं। तितुमीर की बांस का किला आज भी बंगाली लोककथा का अभिन्न हिस्सा है, जो अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध की भावना को प्रेरित करता है।

दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बच्चों के लिए वरदान बनी मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना

-50 लाख रुपये तक नि:शुल्क उपचार का प्रावधान, 5 हजार रुपये प्रतिमाह की अतिरिक्त सहायता

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार वंचितों को वरीयता देते हुए अन्त्योदय के संकल्प को साकार रूप प्रदान कर रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री शर्मा की पहल पर शुरू की गई मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना दुर्लभ बीमारियों से पीड़ित बालक-बालिकाओं के लिए वरदान बनकर आई है। प्रदेश के ऐसे बच्चे जो दुर्लभ बीमारियों से ग्रसित होने के बाद आर्थिक अभाव में उपचार की उम्मीद छोड़ देते थे, उन्हें अब योजना के माध्यम से 50 लाख रुपये तक का निशुल्क इलाज एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान किया गया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की राष्ट्रीय नीति 2021 के तहत सूचीबद्ध बीमारी से पीड़ित 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को समुचित इलाज, देखभाल एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाना इस योजना का प्रमुख उद्देश्य है। राज्य सरकार ने

इन बच्चों के लिए आर्थिक सहायता की प्रक्रिया को सुगम, पारदर्शी और प्रभावी बनाया है।

नि:शुल्क इलाज के साथ 5 हजार रुपये प्रतिमाह की आर्थिक मदद—

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना के अन्तर्गत दुर्लभ बीमारी से पीड़ित बालक या बालिका को 50 लाख रुपए तक का उपचार निशुल्क उपलब्ध कराने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त इन्हें 5 हजार रुपए प्रतिमाह की आर्थिक सहायता राशि देय है।

पीड़ित 18 वर्ष से कम और प्रदेश का निवासी होना जरूरी—

मुख्यमंत्री आयुष्मान बाल सम्बल योजना के तहत अनुदान प्राप्त करने की पात्रता के अनुसार पीड़ित बालक या बालिका की उम्र 18 वर्ष से कम होनी चाहिए। आवेदक राजस्थान राज्य का मूल निवासी हो अथवा तीन वर्ष से अधिक समय से राज्य में निवासरत होना चाहिए।

ऑनलाइन आवेदन, सहज प्रक्रिया—

बालक या बालिका के दुर्लभ बीमारी से पीडित होने की स्थिति में पालनकर्ता द्वारा जनाधार नम्बर से ई-मित्र अथवा स्वयं की एसएसओ आईडी से बायोमेट्रिक या ओटीपी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। प्राधिकृत चिकित्सा अधिकारी नोडल अधिकारी, एम्स जोधपुर एवं जेके लॉन अस्पताल, जयपुर द्वारा दुर्लभ बीमारी से पीड़ित होने का ऑनलाइन प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा।

मुख्य सचिव ने एसएमएस ट्रोमा सेंटर का निरीक्षण किया

-सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए जल्द बनेगा प्रभावी एक्शन प्लान- ट्रॉमा केयर पॉलिसी बनाई जाएगी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम एवं सड़क हादसों में जीवन रक्षा के लिए एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। ट्रॉमा केयर पॉलिसी बनाई जाएगी एवं लेवल-1 एवं लेवल-2 ट्रोमा सेंटर्स का मिशन मोड में सुदृढ़ीकरण किया जाएगा। राज्य सरकार जल्द ही इसके लिए पूरा रोड मैप तैयार करेगी, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को न्यूनतम किया जा सके। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने शनिवार को सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के निरीक्षण के दौरान इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित कमेटी के दिशा-निर्देशानुसार प्रदेश में सड़क सुरक्षा से संबंधित सभी पहलुओं पर गहन अध्ययन एवं निरीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस रिपोर्ट के आधार एक प्रभावी एक्शन प्लान तैयार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

जीवन रक्षक उपकरणों एवं मानव संसाधन की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित होगी-

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेशभर में सड़क हादसों के दौरान त्वरित उपचार उपलब्ध करवाने के लिए ट्रोमा सेंटर्स में सुविधाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। ट्रोमा सेंटर्स में पर्याप्त संख्या में आईसीयू बेड्स, जीवन रक्षक उपकरण, जांच एवं दवाओं की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, रोगी भार के अनुपात में पूर्णतः प्रशिक्षित चिकित्सक एवं नर्सिंग स्टाफ की उपलब्धता के प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने इस संबंध में अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

प्रशिक्षणार्थियों से किया संवाद-

मुख्य सचिव ने ट्रोमा सेंटर में आपातकालीन कक्ष, आईसीयू एवं वार्ड में जाकर उपलब्ध सुविधाओं और उपचार की प्रक्रिया को बारीकी से देखा और रोगियों एवं उनके परिजनों से भी संवाद कर फीडबैक लिया। साथ ही, ट्रोमा सेंटर में संचालित बीएलएस ट्रेनिंग सेंटर का भी निरीक्षण किया तथा यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से संवाद किया।

बेस्ट प्रैक्टिसेज को प्रदेशभर में किया जाएगा लागू-

मुख्य सचिव ने कहा कि सवाई मानसिंह अस्पताल का ट्रोमा सेंटर लेवल-1 श्रेणी का है। यहां के प्रशिक्षण केंद्र में चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ सहित अन्य व्यक्तियों को प्रभावी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस ट्रोमा सेंटर सहित देशभर में सड़क सुरक्षा एवं जीवन रक्षा के लिए अपनाई जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज को प्रदेशभर में लागू किया जाएगा। प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स को भी अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस करने के प्रयास किए जाएंगे, ताकि गोल्डन ऑवर्स में घायलों का जीवन बचाया जाना और अधिक सुगम हो सके।

ट्रोमा सेंटर्स की स्थिति के बारे में ली जानकारी-

निरीक्षण के उपरांत मुख्य सचिव ने अधिकारियों के साथ बैठक कर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में मरीज भार, उपलब्ध संसाधनों एवं मानव संसाधन के बारे में विस्तार से जानकारी ली। साथ ही, प्रदेश के अन्य ट्रोमा सेंटर्स की स्थिति के बारे में भी जानकारी ली।

अब तक 8 हजार को बीएलएस प्रशिक्षण-

प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा श्रीमती गायत्री राठौड़ ने ट्रोमा सेंटर में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यहां संचालित स्किल लैब देश की ऐसी पहली लैब है, जहां सड़क दुर्घटना के दौरान घायलों को बेसिक लाइफ सपोर्ट देने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। अब तक यहां पर 8 हजार से ज्यादा प्रतिभागियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, ताकि वे आपातकाल के शुरुआती चरणों में सहायता कर सकें। उन्होंने बताया कि 2500 से ज्यादा डॉक्टर तथा नर्सिंग ऑफिसर को भी इसकी ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

आत्मनिर्भर नारी, सशक्त समाज:

राजीविका द्वारा जयपुर में महिला सशक्तिकरण संवाद का आयोजन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा जयपुर के सांगानेर ब्लॉक में महिला सशक्तिकरण और आजीविका संवर्धन पर केंद्रित एक विशेष संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीविका की स्टेट मिशन डायरेक्टर सुश्री नेहा गिरि ने की। इस अवसर पर परियोजना निदेशक सुश्री प्रीति सिंह ने महिलाओं द्वारा लगायी गयी स्टाल्स का अवलोकन किया। जिला परियोजना प्रबंधक, जयपुर द्वारा 'राज रसोई', 'नमो ड्रोन दीदी', 'सोलर दीदी', 'लखपति दीदी' और विकास सीएलएफ में संचालित सेनेटरी पैड यूनिट जैसी प्रमुख पहलों का विवरण प्रस्तुत किया गया। बगरू प्रिंट, गौ कीर्ति के सहयोग से गोबर उत्पाद, लकड़ी पर शिल्पकारी, अक्षरधाम मंदिर के फूलों से अगरबत्ती निर्माण के माध्यम से थोक क्रय-विक्रय को सुदृढ़ करने पर चर्चा हुई। मिड-डे मील, अस्पताल कैंटीन, आंगनवाड़ी और छात्रावासों में उत्पादों की सीधी आपूर्ति जैसे बाजार-संबंधी उपायों पर भी विशेष रूप से विचार-विमर्श

हुआ। जयपुर जिले में 2338 लखपति दीदियों की उपलब्धि को कार्यक्रम में रेखांकित किया गया। मेले में उपस्थित महिलाओं— जिनमें ब्लू पॉटरी, बगरू प्रिंट, लकड़ी की पेंटिंग, गोबर मिश्रित पेपर कार्य, सेनेटरी नैपकिन यूनिट संचालन, तथा बीसी सखी मॉडल से जुड़ी महिला उद्यमी शामिल थीं। इन्होंने बताया कि अब वे स्वतंत्र रूप से उद्यम संचालित कर रही हैं और उनकी वार्षिक व मासिक आय में उल्लेखनीय वृद्धि के साथ लखपति दीदियों के रूप में उभर रही हैं, जिससे उनके परिवारों और समुदायों में सकारात्मक सामाजिक एवं आर्थिक परिवर्तन आया है। अपने संबोधन में सुश्री नेहा गिरी ने कहा कि महिलाएं ही राजीविका का वास्तविक स्वरूप हैं। अब हमें ऐसी कंपनियों की कल्पना करनी चाहिए जिनमें निदेशक और शेयरधारक स्वयं महिलाएं हों। उन्होंने डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट उपयोग, बीमा कवरेज और वित्तीय प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि सामाजिक स्तर पर सराहनीय परिवर्तन दिखाई दे रहे है, जहाँ महिलाएं बाहर कार्यरत हों तो उनके पति घर-परिवार की जिम्मेदारियों को साझा कर रहे हैं, जो सशक्तिकरण और समानता की दिशा में सकारात्मक बदलाव है। कार्यक्रम के अंत में स्टेट मिशन डायरेक्टर एवं टीम द्वारा सेनेटरी नैपकिन यूनिट तथा सीएलएफ परिसर का अवलोकन किया गया।

मुख्य सचिव ने आरआरजीआईएस—24 में हुए एमओयू के धरातल पर प्रगति की समीक्षा की

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट— 2024 (आरआरजीआईएस—24) के दौरान किए गए विभिन्न एमओयू की प्रगति की समीक्षा हेतु शुक्रवार को उच्च-स्तरीय बैठक ली। मुख्य सचिव ने बैठक में उन्होंने बताया कि ₹7 लाख करोड़ मूल्य के एमओयू पहले ही धरातल पर उतारे जा चुके हैं जो की राजस्थान के मज़बूत व्यवसायिक वातावरण और निवेशकों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने कहा, "निवेशकों के साथ नियमित संवाद, सक्रिय भागीदारी और पारदर्शी प्रक्रियाएँ एमओयू लागू करने में गति लाने के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि वे लंबित मामलों का प्राथमिकता से समाधान करें और परियोजनाओं की शीघ्र शुरुआत सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि एमओयू लागू करने और परियोजनाओं की शुरुआत में शामिल प्रक्रियाओं की उनकी गहरी समझ राज्य के लिए संरचित निगरानी और समयबद्ध क्रियान्वयन को और मज़बूत बनाती है। आगे की दिशा तय करते हुए मुख्य सचिव ने विभागों से कहा कि वे गति बनाए रखें और माननीय मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा द्वारा निर्धारित लक्ष्य के एमओयू ज़मीन पर उतारने का माइलस्टोन हासिल करें। उन्होंने ज़ोर दिया कि समय पर सुविधा, विभागों का सामूहिक प्रयास और निवेशकों की चिंताओं का त्वरित समाधान राजस्थान के सतत औद्योगिक विकास और बड़े पैमाने पर रोज़गार सृजन के विज़न को साकार करेगा। बैठक में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुलदीप रांका, उद्योग एवं वाणिज्य के प्रमुख सचिव आलोक गुप्ता, ऊर्जा के प्रमुख सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्व के प्रमुख सचिव दिनेश कुमार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य की प्रमुख सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, खान एवं पेट्रोलियम के प्रमुख सचिव टी. रविकांत व आयुष विभाग के प्रमुख सचिव सुबीर कुमार, ब्यूरो ऑफ़ इन्वेस्टमेंट एंड प्रमोशन के आयुक्त सुरेश कुमार ओला सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जाम से निजात के लिए थानाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

-बस स्टैंड से बाजार तक वाहनों की लंबी कतारें

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भामाशाह विमल केशुका व मनोहरपूर व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डी के सोनी आदि व्यापारियों ने मनोहरपूर पुलिस थानाधिकारी को ज्ञापन देकर बस स्टैंड से लेकर गाँधी चौक तक बारम्बार लगते हुए जाम से निजात दिलवाने की मांग की है । केशुका व सोनी ने बताया कि टोल टैक्स की चोरी करने वाले वाहन बस स्टैंड से मोहल्ला सारवान व बिशनगढ़ मोड़ और पुलिस थाने के सामने होते हुए निकल जाते है । ये वाहन तीव्र गति से दौड़ते है इससे आए दिन एक्सीडेंट होते रहते है 1999 में एक जने की मृत्यु भी हो चुकी है कई लोग टकराकर नारकीय जीवन जीने पर मजबूर है। इधर इन वाहनों के आने जाने और ट्रैक्टर ट्रॉली बड़े ट्रक आने जाने और दूर दराज से सामान खरीदने के लिए आने वाले ग्रामीण अपने वाहन लाते हैं । पार्किंग के अभाव में वो दुकानों के सामने ही वाहनों को खड़ा कर देते है जिससे आए दिन जाम लगता ही रहता है । बारम्बार हॉर्न के बजने से दुकानदारों के सर में दर्द होने लगता है वही ध्वनि प्रदूषण भी होता है। कस्बे में शादियों का दौर चल रहा है जिसके कारण

शनिवार को जयपुर – शाहपुरा मार्ग, शाहपुरा–जयपुर रोड, मुख्य बाजार, बस स्टैंड से खोरा रोड तक वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घंटों तक यातायात पूरी तरह से जाम रहा, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। शादियों के कपड़े लेने आए आसपास के गांवों व ढाणियों के लोग जैसे ही बाजार पहुंचे, सड़कों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। देखते ही देखते हालात बिगड़ गए। व्यापारियों का कहना है कि मनोहरपुर में आए दिन जाम लगना आम बात हो गई है। ग्राहकों को बाजार तक पहुंचने में दिक्कत होती है, जिससे व्यापार पर सीधा असर पड़ रहा है। कई बार सीएलजी मीटिंग और नगर पालिका बैठकों में बस स्टैंड से गांधी चौक तक सड़क चौड़ीकरण की मांग उठाई गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय विधायक मनीष यादव ने भी जाम की गंभीरता पर चिंता जताई थी और समाधान का आश्वासन दिया था, परंतु स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही सड़क चौड़ीकरण और ट्रैफिक प्रबंधन की ठोस योजना नहीं बनी, तो त्योहारों और बाजार के दिनों में मनोहरपुर शहर का जाम लोगों की रोज़मर्रा की मुसीबत बन जाएगा। राहगीरों ने बताया कि जिन दुकानों पर सामान खरीदने के लिए जो ग्राहक आते है वो अपने साथ लाए हुए वाहनों को भी दुकान के सामने ही खड़े कर देते है जिससे जाम लगने की सम्भावना बढ़ जाती है अगर व्यापारी उनके वाहनों को खुली जगह पर खड़ा करवाए तो जाम नही लगेगा।

नगर निगम जयपुर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्रवाई, 18 केन्टर सामान जब्त

-1 लाख 36 हजार 400 रुपये का किया कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम जयपुर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देषानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में गुरूवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में पंचायत समिति कालवाड़ रोड़ के सामने, कुकरखेड़ा मण्डी के पास 200 फीट बाईपास, रोड़ न. 17 बस स्टैण्ड के पास, रोड़ नं. 09 विश्वकर्मा के पास, वैद्यजी का चैराहा के पास प्रताप नगर, सांगानेर ऐयरपोर्ट गेट नं. 03, कुम्भा मार्ग, से इण्डिया गेट तक दोनों तरफ, दुर्गापुरा पुलिया, अक्षय पात्र महल रोड़ एवं टोंक रोड़ गांधी नगर मोड़, बडी चैपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चैपड़, मिश्रा राजा जी का रास्ता, मंदिर श्री रामचन्द्र जी चांदपोल बाजार, तोपखाने का रास्ता, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल, संसार चन्द्र रोड़, हथरोई अजमेर रोड़, पुलिस कमिश्नरेट के सामने रोड़, जेकब रोड़, हसनपुरा पुलिया, रेल्वे स्टेशन रोड़, सिंधी केम्प बस स्टेण्ड, आर.पी.ए. रेल्वे स्टेशन रोड़, कलेक्ट्री सर्किल, कबीर मार्ग, शिव सर्किल, चांदी की टकसाल, काले हनुमान जी, सुभाष चैक, जौरावर सिंह गेट, रामगढ़ मोड, जलमहल, गुर्जर घाटी, ट्रांसपोर्ट नगर, किशनपोल बाजार, बापू बाजार, जौहरी बाजार, घाट की घूणी, पुरानी बस्ती से अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 1 लाख 36 हजार 400 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 18 केन्टर सामान जब्त किया गया।

उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में पंचायत समिति कालवाड़ रोड़ के सामने, कुकरखेड़ा मण्डी के पास 200 फीट बाईपास, रोड़ न. 17 बस स्टैण्ड के पास, रोड़ नं. 09 विश्वकर्मा के पास, वैद्यजी का चैराहा के पास प्रताप नगर, सांगानेर ऐयरपोर्ट गेट नं. 03, कुम्भा मार्ग, से इण्डिया गेट तक दोनों तरफ, दुर्गापुरा पुलिया, अक्षय पात्र महल रोड़ एवं टोंक रोड़ गांधी नगर मोड़, बडी चैपड़, त्रिपोलिया बाजार, छोटी चैपड़, मिश्रा राजा जी का रास्ता, मंदिर श्री रामचन्द्र जी चांदपोल बाजार, तोपखाने का रास्ता, चांदपोल बाजार, संजय सर्किल, संसार चन्द्र रोड़, हथरोई अजमेर रोड़, पुलिस कमिश्नरेट के सामने रोड़, जेकब रोड़, हसनपुरा पुलिया, रेल्वे स्टेशन रोड़, सिंधी केम्प बस स्टेण्ड, आर.पी.ए. रेल्वे स्टेशन रोड़, कलेक्ट्री सर्किल, कबीर मार्ग, शिव सर्किल, चांदी की टकसाल, काले हनुमान जी, सुभाष चैक, जौरावर सिंह गेट, रामगढ़ मोड, जलमहल, गुर्जर घाटी, ट्रांसपोर्ट नगर, किशनपोल बाजार, बापू बाजार, जौहरी बाजार, घाट की घूणी, पुरानी बस्ती से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 18 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 1 लाख 36 हजार 400 रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाइष करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

रास्ते से अतिक्रमण हटाने की मांग

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। ग्राम बिशनगढ़ के ग्राम वासियों ने रास्ते से अतिक्रमण हटवाने की मांग की है । बिशनगढ़ के हितेश कुमार ने बताया है कि तहसील शाहपुरा गांव बिशनगढ़ ढाणी जाजमावाली के आम रास्ते पर अतिक्रमण हो रहा यह राजस्व रिकॉर्ड मे 15 फूट का रास्ता कटा हुआ है। इसको चिन्हीकरण कर दिया गया 15 दिन से उपर हो गया लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया जा रहा है यह वर्तमान में 7 फुट का रास्ता बचा हुआ है यहाँ पर रोज झगड़े होते है। इसके लिए शाहपुरा के उपखण्ड अधिकारी को भी पत्र लिखकर अतिक्रमण हटवाने की मांग की जा चुकी है।

जयपुर: माणकचौक थाना क्षेत्र में बड़ी लूट का पर्दाफाश

-48 किलो चांदी–170 ग्राम सोना बरामद

जयपुर। जयपुर उत्तर के माणकचौक थाना क्षेत्र में स्थित गजानन्द ज्वैलर्स, सिद्धी विनायक कॉम्प्लेक्स में हुई बड़ी लूट की वारदात का पुलिस ने मात्र 72 घंटे में खुलासा कर दिया। बदमाशों द्वारा की गई इस हाई-प्रोफाइल नकबजनी और लूट में सुरक्षा गार्डों पर हथियार से हमला कर उन्हें बंधक बनाकर सोना–चांदी लूट ले जाया गया था। घटना 19 नवंबर 2025 की रात हुई थी।

कैसे हुई वारदात?

बदमाश पहले से कॉम्प्लेक्स में काम कर चुके थे, इसलिए लेआउट की पूरी जानकारी थी। पहले रैकी की गई और फिर बोल्ट कटर, हैण्ड ग्लव्स और सब्बल जैसे औजारों से कॉम्प्लेक्स के ताले तोड़े। जाली काटकर अंदर घुसे और तीनों सुरक्षा गार्डों को पीटकर बंधक बनाया। दुकान G-10 गजानन्द ज्वैलर्स के ताले तोड़कर सोना-चांदी की ज्वैलरी बोरियों में भरकर बाइक से फरार हो गए।

पुलिस की त्वरित कार्यवाही

पुलिस आयुक्त सचिन मित्तल (IPS) के निर्देशन में DCP जयपुर उत्तर करण शर्मा (IPS), अतिरिक्त DCP नीरज पाठक (RPS) और ACP पियूष कविया (RPS) की निगरानी में कई टीमों का गठन किया गया।

200 से अधिक CCTV फुटेज खंगाले

तकनीकी विश्लेषण, आसूचना संकलन और मुखबिरों की जानकारी से बदमाशों का रूट ट्रेस किया

FSL और MOB टीमों ने घटनास्थल की वैज्ञानिक जांच की

गिरफ्तारी और बरामदगी

22 नवंबर को दो मुख्य आरोपी दबोचे गए–

अकरम पुत्र मेहरबान अली, उम्र 25 वर्ष

हितेश प्रजापत उर्फ संजू, उम्र 22 वर्ष

इनके कब्जे से बरामद:

38 किलो चांदी के आभूषण व बर्तन

170 ग्राम सोना

घटना में उपयोग की गई मोटरसाइकिल

अनुसंधान में पता चला कि कुल लगभग 48 किलो चांदी चोरी की गई थी। दो अन्य आरोपी – तोहिद और अशफाक – अभी फरार हैं।

दो और अनट्रेस केस का खुलासा

पूछताछ में आरोपियों ने दो और वारदातें कबूलीं—

जयसिंहपुराखोर में ज्वैलरी की दुकान में नकबजनी

टोंक जिले में 20 लाख रुपये की लूट

आरोपी – आदतन अपराधी

गिरफ्तार अभियुक्तों पर पहले भी चोरी, लूट और मारपीट के कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस टीम

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया के नेतृत्व में 26 सदस्यों की संयुक्त टीम ने यह कार्रवाई की, जिसमें माणकचौक थाना, जयसिंहपुराखोर थाना, DST टीम उत्तर, साइबर सेल और पुलिस मित्र शामिल थे।

भजनलाल शर्मा ने केंद्रीय गृहमंत्री व यूपी सीएम का एयरपोर्ट पर किया स्वागत

- अधिकारियों-जनप्रतिनिधियों ने की मुख्यमंत्री की अगवानी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को डबोक स्थित महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने उनकी अगवानी की। शर्मा ने एयरपोर्ट पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह तथा उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी की। रणकपुर, पाली में सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के परिवार में वैवाहिक आयोजन में भाग लेने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार दोपहर डबोक एयरपोर्ट पहुंचे। यहां जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, सहकारिता मंत्री गौतम दक, सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, विधायक उदय लाल डांगी, सलूम्बर विधायक शांतादेवी, निम्बाहेड़ा विधायक श्रीचंद कृपलानी, संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी, आईजी गौरव श्रीवास्तव, जिला कलक्टर नमित मेहता, एसपी योगेश गोयल ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात् उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा ने उनकी अगवानी की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह विशेष विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री शर्मा सहित सभी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने गृहमंत्री का स्वागत किया। शाह और मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर से रणकपुर पहुंचे तथा वहां वैवाहिक आयोजन में भाग लेकर पुनः डबोक एयरपोर्ट लौटे।

यहां से शाह ने नई दिल्ली के लिए तथा मुख्यमंत्री शर्मा ने जयपुर के लिए प्रस्थान किया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/ 108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

यूनिटी मार्च में छलका राष्ट्रीय एकता का जज्बा

-सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर निकली पदयात्रा

बारां (रॉयल पत्रिका)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जन्म जयंती के अवसर पर मनाए जा रहे राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम के अन्तर्गत शनिवार को जिला मुख्यालय पर राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ डीजे पर देशभक्ति गीतों की धुन के बीच तिरंगा लहराते हुए यूनिटी मार्च पदयात्रा निकाली गई। माय भारत केंद्र के संयोजन में श्रीराम स्टेडियम से जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने हरी झंडी दिखाकर पदयात्रा का शुभांरभ किया। इससे पूर्व जिला कलक्टर ने सभी सम्भागियों को स्वदेशी का संकल्प व राष्ट्रीय एकता व अखंडता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर लोकगीत पर कंजर बालाओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुति भी दी। इस दौरान उपजिला प्रमुख छीतरलाल मेघवाल, उपखण्ड अधिकारी विश्वजीत सिंह, बारां नागरिक सहकारी बैंक के चैयरमेन हरगोंविंद जैन, पूर्व जिला प्रमुख नंदलाल सुमन, पूर्व चैयरमेन यंशभानु जैन व रामस्वरूप यादव सहित अनेक जनप्रतिनिधि व समाजसेवी मौजूद थे। माय भारत केंद्र के जिलाधिकारी कुमार मधुकर ने सभी का स्वागत किया। संचालन सुनील शर्मा ने किया।

पदयात्रा श्रीराम स्टेडियम से प्रारम्भ होकर प्रताप चौक, धर्मादा चौराहा, अस्पताल रोड होते हुए जिला चिकित्सालय स्थित शहीद राजमल मीणा पार्क पहुंच कर समाप्त हुई जहां शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। पदयात्रा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, स्काउट-गाइड, समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, सरकारी कर्मचारियों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं आदि ने उत्साह के साथ भाग लिया। पदयात्रा का मार्ग में पुष्पवर्षा से स्वागत किया गया।

सड़क के बीच की नाली पर लगा जाल टूटने से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर शहर में नगर परिषद की लापरवाही से आमजन को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नई सड़क काकटिया निवास से श्याम सिनेमा हॉल की तरफ जाने वाले रास्ते में सड़क के बीच की नाली पर लगा जाल टूटने से स्थानीय लोगों को समस्या उठानी पड़ रही है। इस खुली नाली में एक युवती की स्कूटी फंस गई गनीमत रही कि युवती के चोटे नहीं आई स्थानीय लोगों ने स्कूटी को बाहर निकाला। मोहल्ले के अरुण जांगिड़ व आजम निरबाण ने बताया कि पिछले कई दिनों से यह जाल टूटने के बाद स्कूटी व बाइक सवार के साथ-साथ राहगीरों के साथ दुर्घटनाओं का अंदेशा बढ़ गया है। कभी-कभी तो गाय और ऊंट गाड़ी वालों का बहुत नाली से संबल कर चलना पड़ता है फिर भी उनके साथ दुर्घटना होती रहती है। नगर परिषद प्रशासन को और जमादार को बार-बार अवगत करवाने के बावजूद यहां पर नया जाल नहीं लगाया जा रहा है आज फिर एक गाय का पैर फंस गया समय रहते इसका समाधान नहीं हुआ तो कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है।

पदयात्रा से युवाओं ने दिया एकता व अखण्डता का संदेश

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन व मेरा युवा भारत श्रीगंगानगर द्वारा सरदार पटेल की 150वीं जयंती श्रृखलांतर्गत जिला स्तरीय यूनिटी मार्च पदयात्रा का आयोजन शुक्रवार को अनूपगढ़ उपखंड के ग्राम पंचायत पतरोड़ा से 27 ए तक किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केन्द्रीय विधि और न्याय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री माननीय अर्जुन राम मेघवाल रहे। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा सरदार पटेल को पुष्पांजलि अर्पित की गई। अतिरिक्त जिला कलक्टर अनूपगढ़ अशोक सांगवा द्वारा मेघवाल का शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया गया। पदयात्रा की शुरुआत से पूर्व छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर अनेकता में एकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम की विस्तृत रूपरेखा मेरा युवा भारत श्रीगंगानगर के उपनिदेशक भूपेंद्र सिंह शेखावत ने प्रस्तुत की।

मेघवाल ने कहा कि उक्त कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता और अखंडता के संदेश के साथ माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेशन फस्र्ट संकल्प को सशक्त बनाता है तथा युवाओं व नागरिकों में राष्ट्रभक्ति की भावना को प्रबल कर रहा है। उन्होंने युवाओं को आत्निर्भर भारत में सक्रिय योगदान देने का आह्वान करते हुए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम को पूर्व विधायक रायसिंहनगर बलवीर लूथरा, पूर्व विधायक अनूपगढ़ श्रीमती संतोष बावरी, लोकसभा प्रत्याशी श्रीमती प्रियंका बैलान व पूर्व सरपंच मनोहर लाल चावला ने संबोधित करते हुए युवाओं को सरदार पटेल के जीवन से प्रेरणा लेकर विकसित व आत्मनिर्भर भारत बनाने में योगदान का आह्वान किया। मार्च के दौरान युवाओं ने तख्तियों व तिरंगे से देशभक्ति व एकता का संदेश दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में हिस्सा बने प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। सीबीईओ अनूपगढ़ पंकज जांगिड़ ने बताया कि पदयात्रा में मेरा युवा भारत, एनसीसी, शिक्षा व उच्च शिक्षा विभाग के युवा, आमजन व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मंच संचालन मनोज कुमार, बब्बू बहेलिया एवं पवन चुग द्वारा किया गया।

इस अवसर पर पूर्व विधायक पवन दुग्गल, गुमान सिंह राजपुरोहित, महावीर चारण, राजेंद्र लेघा, भगवान सेवटा, एसडीएम अनूपगढ़ सुरेश राव, अशोक यादव, मदन लाल सेवटा, जतिन चावला, माय भारत स्वयंसेवक उद्यम सिंह इत्यादि उपस्थित रहे।

रविवार, 23 नवम्बर को नौनिहालों को पिलाएंगे पोलियो की दवा

-जिले में 2 लाख 33 हज़ार बच्चे पिएंगे दो बूँद ज़िंदगी की

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान के तहत रविवार, 23 नवम्बर को 5 वर्ष तक के बच्चो को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी।मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जेमिनी ने बताया कि उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए स्वास्थ्य विभाग अन्य विभागों व हेल्थ पार्टनर्स के साथ समन्वय बनाकर कार्य करेगा। सभी को शून्य से 5 साल तक बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने का लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए गये है। इस अभियान की सफलता के लिए जिला व खंड स्तर पर टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित कर महत्वपूर्ण गतिविधियों की सघन कार्ययोजना बनाकर इनका सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पल्स पोलिया अभियान के लिए जिले की समस्त विद्यालय क्षेत्रों स्थानीय शिक्षकों द्वारा गृह संपर्क के दौरान अभियान का प्रचार-प्रसार के करने के निर्देश दिए। पोलियो बूथ के लिए चिन्हित स्कूलों को रविवार को भी खोलने के निर्देश दिये गये हैं आशाओं, आंगनवाडी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं द्वारा अभियान का प्रचार-प्रसार किया गया है, पोलियों बूथ पर कार्य योजना अनुसार चिकित्सा कर्मी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका बूथ दल में शामिल रहेंगे। अभियान के तहत 23 नवम्बर को बूथ पर तथा अगले दो दिन घर-घर जाकर पोलिया की दवा पिलाई जाएगी। अभियान की शत-प्रतिशत सफलता के लिए माइक्रोप्लान बना कर कार्य किया जाएगा। जिले में 23 नवम्बर, रविवार को उप राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण दिवस एसएनआईडी की शुरूआत की जाएगी। जिलास्तरीय शुभारम्भ शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बजरिया में किया जाएगा। इस टीकाकरण महाअभियान में जिले के नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलाई जाएगी। इसमें नवजात से लेकर 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। बूथ पर टीकाकरण का समय प्रातः 9 से सायं 5 बजे तक रहेगा। पहले दिन 23 नवम्बर, रविवार को जिले में स्थापित किए गए 1568 बूथों पर 233099 बच्चों को खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद अगले दो दिन ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में विभाग की ओर से गठित मोबाइल टीमें घर-घर जाकर खुराक से वंचित नौनिहालों को पोलियो की खुराक पिलायेगी। टीकाकरण दिवस में कुल 187 सुपरवाइजर अपनी सेवाएं देंगे। इसमें 103 मोबाइल टीमें और 42 ट्रॉजिक्ट टीमें और 1568 हाउस तो हाउस टीम कार्य करेंगी। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा मॉनिटरिंग की जाएगी।

मुस्लिम महासभा में नई ऊर्जा का संचा- आबिद खान राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त

हनीस खान कुतकपुर

करौली (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम महासभा ने अपने संगठनात्मक ढाँचे को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भैंसावा निवासी आबिद खान को राष्ट्रीय महासचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी है। यह नियुक्ति महासभा के शीर्ष नेतृत्व — राष्ट्रीय संरक्षक जनाब सिकंदर पठान साहब के निर्देश, राष्ट्रीय प्रभारी जनाब अमजद पठान साहब की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्षा मोहतरमा रेशमा सोलंकी साहिबा की स्वीकृति के पश्चात औपचारिक रूप से घोषित की गई। महासभा नेतृत्व का मानना है कि तेज़ी से बढ़ते सामाजिक व राष्ट्रीय मुद्दों के बीच एक सक्षम, सक्रिय और संकल्पित नेतृत्व की जरूरत थी, और आबिद खान इन सभी मानकों पर पूर्ण रूप से खरे उतरते हैं। आबिद खान ने अपने तंजीमी सफर की शुरुआत इकाई स्तर से की थी। लगातार मेहनत, ईमानदारी, संगठन के प्रति समर्पण और सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिका ने उन्हें समुदाय में विशेष पहचान दिलाई। इसी कड़ी में आबिद खान ने कहा कि इकाई सचिव से राष्ट्रीय महासचिव तक का मेरा सफर बेहद सकारात्मक और सीखों से भरा रहा है। संगठन ने हमेशा मुझे मार्गदर्शन, भरोसा और जिम्मेदारी दी है। अब राष्ट्रीय स्तर की इस बड़ी जिम्मेदारी को मैं पूरे ईमान और लगन से निभाने का संकल्प लेता हूँ। राष्ट्रीय अध्यक्षा रेशमा सोलंकी ने कहा कि आबिद खान की नियुक्ति मुस्लिम महासभा के लिए सिर्फ एक पद-परिवर्तन नहीं, बल्कि संगठन के उज्जवल भविष्य की निशानी है। उनके अंदर युवा ऊर्जा, अनुभव और नेतृत्व क्षमता का बेहतरीन संगम है। हमें उम्मीद है कि वे महासभा को नए आयाम देंगे। राष्ट्रीय प्रभारी अमजद पठान का कहना है कि राष्ट्रीय नेतृत्व ने भी विश्वास जताते हुए कहा कि आगामी समय में संगठनात्मक विस्तार, जनसंपर्क, सामाजिक पहल और राष्ट्रीय कार्यक्रमों को नई रफ़्तार मिलेगी। भैंसावा सहित पूरे क्षेत्र में उनकी नियुक्ति को लेकर ख़ुशी का माहौल है। स्थानीय लोगों, सामाजिक संगठनों, शुभचिंतकों और युवाओं द्वारा उन्हें लगातार बधाइयाँ दी जा रही हैं। कई लोगों ने इस नियुक्ति को युवा नेतृत्व का सशक्त उदाहरण बताया है। ग्रामीण स्तर से उठकर राष्ट्रीय मंच तक पहुँचना अपने आप में प्रेरणा का स्रोत है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आबिद खान का यह सफर युवाओं को सामाजिक कार्यों में आगे आने की प्रेरणा देगा। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रीय महासचिव जैसे अहम पद पर एक ज़मीनी अनुभव वाले पदाधिकारी की नियुक्ति से महासभा को मजबूती मिलेगी। आने वाले समय में संगठन की राष्ट्रीय गतिविधियों में नई गति देखने की संभावना है।

जैन श्वेताम्बर धर्मानुयायी उठा रहे है धर्म प्रवचन का लाभ

-बारां में जैन म.सा. का शिवपुरी से हुआ विहार

बारां (रॉयल पत्रिका)। श्री जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ अध्यक्ष राजेन्द्र रंगावत, अषोक बोरडिया, गौत्तम मारू ने बताया कि पूज्य आगमोद्वारक श्री की आज्ञानुवर्ती पू. अमितगुणा श्रीजी म.सा. की शिष्या व आदि ठाना-6, 20 नवम्बर को शिवपुरी से विहार कर बारां पधारे, जिसमें अमीपूर्णा श्रीजी, अमीदर्षा श्रीजी, अमीवर्षा श्रीजी, मृदुपूर्णा श्रीजी, अपर्णा श्रीजी व जैनम पूर्णा श्रीजी म. सा. चैमुखा बाजार स्थित जैन मंदिर पर पधारे हुए है। जैन महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती उर्मिला जैन भाया, श्रीमती निर्मला बोरड़िया, विजया श्रीमाल ने बताया कि श्री जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ धर्मानुयायी परिवारजनों द्वारा सभी म.सा. के धार्मिक प्रवचनों का प्रतिदिन प्रातः 9.30 बजे से 10.30 बजे तक चैमुखा बाजार स्थित श्री चन्द्रप्रभू जैन मंदिर पर धर्म लाभ प्राप्त किया जा रहा है। यहां से इन सभी म.सा. का आगामी विहार भवानीमण्डी के लिए रहेगा। म.सा. ने अपने प्रवचन में समाज बंधुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मनुष्य भव अत्यन्त दुर्लभ है, दुर्लभ ऐसा कि मनुष्य भव पाकर उसको सार्थक करना अत्यन्त दुर्लभ है। मानव में से महामानव बनना है। अपने को अपना आत्मोत्थान करना है। आत्मलक्ष्मी बनना है। अपनी आत्मा का उत्थान ध्यान में रखते हुए नमस्कार महामंत्र से जुडना है। नवकार के 9 अक्षर का ध्यान करने से सागरोपम के पाप नष्ट हो जाते है। नमस्कार महामंत्र गिनने से 400 सागरोपम के पाप नष्ट हो जाते है। इसके ध्यान से आत्मा पर लगे हुए दूषण क्रमशः नष्ट होते है। आत्मानुभूति को प्राप्त करके, कर्मराज रहित बन सकते है, इसलिए प्रतिदिन अपने को कम से कम 108 नवकार का ध्यान करके अपनी आत्मा को उध्र्वगामी बनाना चाहिए। प्रवचन के दौरान सकल श्रीसंघ उपस्थित रहा।

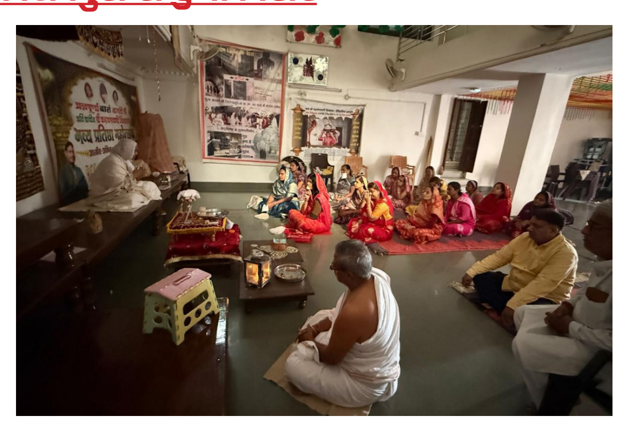

हिंडौन सिटी में दो पक्षों में मारपीट, 5 घायल

-बच्चों को रास्ते में घेरकर पीटने के बाद बढ़ा विवाद, पुलिस कर रही है जांच

हनीस खान कुतकपुर

हिंडौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। हिंडौन सिटी के कटकड़ क्षेत्र में शनिवार दोपहर करीब 3 बजे दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक महिला सहित पांच लोग घायल हो गए। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती कर लिया गया है।

बच्चों के साथ मारपीट के बाद हुआ झगड़ा

यह विवाद तब शुरू हुआ जब एक पक्ष के कुछ लोगों ने दूसरे पक्ष के बच्चों को रास्ते में रोककर मारपीट की। शोर-शराबा सुनकर परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे, जिसके बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने लाठी-डंडों और पथराव से हमला कर दिया।

दो लोगों के सिर पर आई चोट

ड्यूटी डॉक्टर मुकट बिहारी धाकड़ ने बताया- घायलों में कटकड़ की हरिजन बस्ती निवासी आदिल (14), वकील (29), मुनीर (70), खलील (50) और मुबीना (40) शामिल हैं। झगड़े में आदिल और खलील के सिर पर चोटें आई हैं।

पड़ोसियों पर शराब पीकर झगड़ा करने के आरोप

घायल खलील ने बताया- उनके पड़ोस के लोग आए दिन शराब पीकर झगड़ा करते हैं और उनके घर के पास गाली-गलौज करते हैं। शनिवार को भी उनके बेटे आदिल और एक अन्य को बाइक से जाते समय रास्ते में रोककर झगड़ा शुरू किया गया था। इस मामले में घायल पक्ष ने पुलिस को सूचना दे दी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

हिन्डौन नगर परिषद की चरमराई सफाई व्यवस्था, जगह-जगह लगे हुए हैं गंदगी के ढेर

-कचरे की बदबू से दुकानदार व राहगीर परेशान
-300 सफाई कर्मी होने के बावजूद समय पर नहीं हो पा रही सफाई व्यवस्था

हिन्डौन सिटी (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद हिन्डौन सिटी की लापरवाही के कारण शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। बयाना मोड़ से लेकर खरैटा मोड़ तक कई जगहों पर कचरे के ढेर लगे हुए हैं, जिससे स्थानीय लोगों और राहगीरों को परेशानी हो रही है। बयाना रोड़ चुंगी वाले मदरसे के पास कचरे के ढेर से बदबू आती है और आवारा जानवरों का जमावड़ा रहता है, जिससे कीचड़ और कचरा फैलता है। नियमित सफाई का अभाव नगर परिषद द्वारा नियमित सफाई नहीं कराई जा रही है, जिससे कचरे के ढेर लग रहे हैं। आवारा जानवरों का जमावड़ा कचरे के ढेर के आसपास आवारा जानवरों का जमावड़ा रहता है, जिससे समस्या और बढ़ जाती है। कचरे के ढेर से आती बदबू और गंदगी से लोगों को परेशानी होती है। कचरा- के ढेर के कारण आने-जाने वाले लोगों को कचरे के ढेर से बदबू आती है। स्थानीय दुकानदारो को और आने जाने बाले राहगीरो को भी इस गंदी बदबू का सामना करना पड़ रहा है ऐसे में नगर परिषद से लोगों द्वारा नियमित सफाई कराने की मांग की गई है।

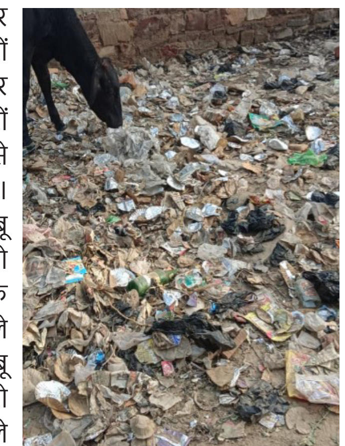

प्राइड ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड से डॉ. सामरिया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के निवासी सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षाविद डॉ. लक्ष्मी नारायण सामरिया को उनके सामाजिक सरोकार के कार्यों के लिए चिड़ावा में आयोजित राजस्थान प्रगतिशील संस्थान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम में प्राइड ऑफ एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पूर्व मंत्री एवं मुख्यमंत्री सलाहकार राजस्थान सरकार बाबूलाल नागर, एससी आयोग हरियाणा सरकार के उपाध्यक्ष विजेंद्र बड़गुर्जर, प्रधान आयकर आयुक्त पीयूष सोनकर, डिप्टी जिला कलेक्टर राहुल मल्होत्रा, आरएएस किस्मत खींची, जिला शिक्षा अधिकारी रेणू तंवर साध्वी ओम ने प्रदान किया।

चौमूं में कांग्रेस का बूथ एजेंट प्रशिक्षण शिविर

-विधायक डॉ. शिखा मिल बराला बोलीं—मतदाता सूची की शुद्धता संगठन की रीढ़

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। चौमूं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आहान पर गुरुवार को कचोलिया रोड स्थित गार्डन में विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला के नेतृत्व तथा विधानसभा प्रभारी जितेंद्र सिंह बाजिया की अध्यक्षता में चोमू विधानसभा के बूथ स्तर एजेंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विधानसभा के सभी बूथ स्तर एजेंटों ने भाग लिया विधायक डॉक्टर शिखा मिल बराला ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता संगठन की रीड है और बीएलए इस पूरी प्रक्रिया के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ है। उन्होंने कहा कि बीएलए केवल एक पद नहीं बल्कि जिम्मेदारी सजगता और पारदर्शिता से जुड़ा दायित्व है। जिसे निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाया जाना आवश्यक है। इस दौरान पूरी ब्लॉक अध्यक्ष लोकेश शर्मा, पश्चिम ब्लॉक अध्यक्ष गिरिराज देवदा,चौमू नगर अध्यक्ष, शायरमल सैनी, मंडल अध्यक्ष बाबूलाल गढ़वाल, राजेंद्र नागर, गौरी शंकर कुमावत, सुरेंद्र कुमार मीणा, राजेंद्र डगर, राकेश कुमावत, लालाराम बलेसरा, सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राज्यपाल ओम माथुर की पोती की शादी समारोह में उपराष्ट्रपति सहित कई राजनेता पहुंचे रणकपुर

मोहम्मद यासीन

पाली/रणकपुर (रॉयल पत्रिका)। सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर की पोती कोमल वीरेंद्र माथुर की शादी रणकपुर में आयोजित हो रही है। जिसमें उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रणकपुर पहुंच कर वर वधू को आशीर्वाद दिया । देशभर से अनेक राजनेता और राज्यपाल रणकपुर पहुँचे ओर वर वधू को आशीर्वाद दिया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष विमान से रणकपुर पहुंचे और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी विवाह समारोह में शामिल हुए। शादी समारोह को देखते हुए केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों के साथ स्थानीय पुलिस बल की विशेष तैनाती की गई है।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार ने कोर्ट परिसर में एसबीआई एटीएम का किया उद्घाटन

पाली (रॉयल पत्रिका)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के द्वारा स्थापित एटीएम का शुभारंभ जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार द्वारा शुक्रवार को किया गया। जिला एवं सेशन न्यायाधीश राजेन्द्र कुमार ने जिला एवं सेशन कोर्ट परिसर में एसबीआई शाखा के एटीएम का फीता काट कर उद्घाटन किया। इस अवसर अतिरिक्त जिला एवं सेशन न्यायाधीश शरद तंवर, न्यायाधीश जगदीश माणी, राकेश गौरा, विक्रमसिंह भाटी, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती ऋचा चौधरी, निलेश सिंह चोधरी, ज्योति देवी शर्मा, कविता कच्छवाह, शालिनी चौधरी, विनय चौधरी, मनीषा चारण, भव्य झारवाल, संजय परिहार, मनीष दवे, विनय दीप कुमावत व वर्षा यादव सहित अधिवक्ता एवं कर्मचारीगण मौजूद रहे।

रोडवेज बस डिपो सीकर में मॉकड्रिल का आयोजन

सीकर (रॉयल पत्रिका)। दिल्ली के लाल किले के पास हाल ही में हुए ब्लास्ट की घटना को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन सीकर द्वारा शुक्रवार को रोडवेज बस डिपो परिसर में मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। ड्रिल में यह परिदृश्य तैयार किया गया कि रोडवेज बस डिपो पर खड़ी एक गाड़ी में बम होने की आशंका है। मॉकड्रिल में जिला प्रशासन, पुलिस, चिकित्सा विभाग, सिविल डिफेंस, होमगार्ड, अग्निशमन दल सहित सभी संबंधित विभागों ने सहभागिता करते हुए आपातकालीन स्थिति में अपनी प्रतिक्रिया, समन्वय एवं तत्परता का सफल प्रदर्शन किया। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा प्रबंधन में विभिन्न विभागों की तैयारियों का मूल्यांकन करना था। शुक्रवार दोपहर 2 बजे उपखण्ड अधिकारी निखिल पोदार द्वारा कंट्रोल रूम मैं उपस्थित कार्मिक अजय महला को सीकर बस डिपो पर बम होने की सूचना दी गई। कंट्रोल रूम ने तत्काल जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया, जिसके बाद पुलिस, एम्बुलेंस, सिविल डिफेंस, अग्निशमन, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट, एक्स-आर्मी एवं मेडिकल टीमें निर्धारित समय में घटनास्थल पर पहुँच गईं। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा ने कहा कि दिल्ली में हुई घटना के बाद यह मॉकड्रिल आयोजित की गई है। ऐसी मॉकड्रिल समय-समय पर आयोजित की जानी चाहिए ताकि आमजन में जागरूकता बढ़े। उन्होंने अपील की कि कोई भी लावारिस वस्तु या बैग मिलने पर उसे न छुएँ तथा तुरंत प्रशासन या पुलिस को सूचना दें। उन्होंने बताया कि धार्मिक नगरी खाटूश्यामजी में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में वहाँ भी सतर्कता आवश्यक है। पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत ने बताया कि सूचना मिली थी कि रोडवेज बस डिपो में खड़ी एक ऑल्टो कार में विस्फोटक सामग्री होने की आशंका है। सूचना पर पुलिस, बम निष्क्रियकरण दस्ता एवं डॉग स्क्वायड मौके पर पहुँचे। तलाशी के दौरान वाहन से एक टिफिन और मोबाइल बरामद हुआ। दिल्ली की घटना को देखते हुए यह मॉकड्रिल आयोजित की गई, जो सभी टीमों के लिए एक महत्वपूर्ण लर्निंग एक्सरसाइज सिद्ध हुई और इससे विभिन्न विभागों के समन्वय एवं रिस्पांस टाइम का मूल्यांकन किया जा सका।

विश्व मत्स्य दिवस: कलेक्ट्रेट सभागार में जागरूकता गोष्ठी हुई संपन्न

-'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाने पर दिया जोर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। विश्व मत्स्य दिवस के अवसर पर शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में मत्स्य विभाग की ओर से जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले भर से आए प्रगतिशील मत्स्य कृषकों, मछली पालन व्यवसाय से जुड़े व्यवसायी और विभागीय अधिकारियों ने भाग लिया। गोष्ठी में देश की आर्थिक तरक्की में मत्स्य संपदा के योगदान तथा स्थानीय किसानों को आधुनिक तकनीकों से अवगत कराया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला मत्स्य विकास अधिकारी, डॉ. लखन लाल मीणा ने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना' पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह योजना महज एक सरकारी पहल नहीं है, बल्कि यह आधुनिक तकनीक और मत्स्य कृषकों के कल्याण को जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। डॉ. मीणा ने उपस्थित किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि वर्तमान समय में जलाशयों और जल स्रोतों को प्रदूषण से बचाना महती आवश्यकता है। यदि जल स्वच्छ होगा, तभी मत्स्य उत्पादन में गुणवत्ता और वृद्धि संभव हो पाएगी। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे केंद्र और राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का आधिकारिक लाभ उठाएं और अपनी आय दोगुनी करें। तकनीकी सत्र के दौरान सहायक मत्स्य विकास अधिकारी, मोहम्मद अली ने किसानों को मत्स्य पालन के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र के वातावरण के अनुकूल मछलियों की प्रचलित और उन्नत किस्मों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि सही किस्म के चयन और वैज्ञानिक प्रबंधन से किसान कम लागत में अधिक उत्पादन कैसे प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित किसानों ने अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया और मत्स्य पालन को एक लाभप्रद व्यवसाय के रूप में अपनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक अशोक कुमार मीणा, मत्स्य विभाग बूंदी के विनोद मीणा एवं शिवकुमार, मत्स्य व्यवसायी जाकिर हुसैन, देव प्रकाश, मत्स्य पालक मोहनलाल आदि मौजूद रहें।

जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 35 बीएलओ सम्मानित

-रणनीति और समयबद्धता से एसआईआर कार्य पूर्ण करने पर मिला सम्मान

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत फील्ड में रहकर समयपूर्व एसआईआर कार्य पूर्ण करने वाले जिले के 10 बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ)सहित 90 प्रतिशत तक ऑनलाइन उपलब्धि हासिल करने वाले कुल 35 बीएलओ को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक रंजन ने इन बीएलओ को सम्मानित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय दायित्व से जुड़े इस कार्यक्रम को बेहतर रणनीति और प्रतिबद्धता के साथ पूरा कर इन कार्मिकों ने उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। जिला कलक्टर ने सभी ईआरओ को निर्देश दिए कि इन दक्ष एवं अनुभवी बीएलओ की सेवाओं का उपयोग आगे भी फील्ड में फैसिलिटेटर के रूप में किया जाए ताकि समयबद्ध तरीके से एसआईआर के कार्य को पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जा सके। सम्मानित बीएलओ ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कार्य शुरू करने से पूर्व रणनीति बनाना और 90 से 95 प्रतिशत मतदाता मैपिंग पूरी करना गणना पत्रों को ऑनलाइन अपलोड करने में काफी सहायक रहा। इससे कार्य सहज, तनावमुक्त और समयबद्ध रूप से पूरा हो पाया।

इन बीएलओं का हुआ सम्मान: चित्तौड़गढ़ विधानसभा से गोपाल लाल शर्मा (भाग संख्या 19), राजमल (24), सुनीता सोनी (171), सत्यनारायण मीणा (205), प्रवीण वर्मा (206), हरिओम सिंह शक्तावत (216), सूरजमल धाकड़ (218), गोपाल सोलंकी (249), सुनील कुमार शर्मा (250), कमलेश आचार्य (268), कपासन विधानसभा: शांति दास (256), रामेश्वर लाल जटिया (272), रतन लाल गाड़री (273), निंबाहेड़ा विधानसभा से मन्नालाल सुथार (7), जशवंत कुमार पाटीदार (11), भगवान लाल गाडरी (16), खेमराज कुम्हार (18), विजय कुमार टेलर (23), ओमप्रकाश बेनीवाल (38), मुकेश सिंह गुर्जर (57), दुष्यंत शर्मा (117), अर्जुन धाकड़ (122), सुदेश कुमार यादव (132), सीताराम धाकड़ (138), देवीलाल जटिया (157), विनोद आंजना (185), हरीश कुमार शर्मा (187), वरदीचंद नाई (199), रामलाल रैगर (210), राकेश शर्मा (272), बड़ीसादड़ी विधानसभा से राजेश कुमार चौधरी (111), रूपराज तिवाड़ी (293) एवं बेगूं विधानसभा से गोविंद लाल नागर (160), अशोक राज भानावत (252), प्रहलाद धाकड़ (भाग संख्या 253) का सम्मान किया गया।

जागरूकता अभियान का हुआ शुभारम्भ

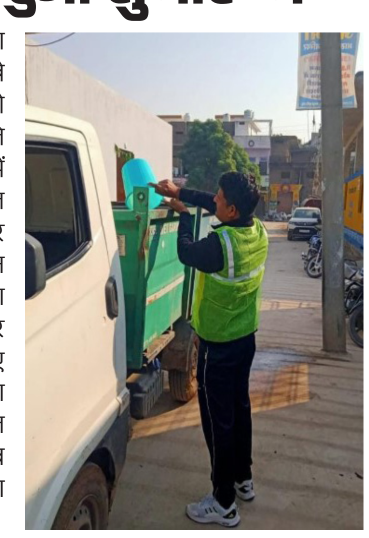

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। नगर परिषद क्षेत्र में डोर-टू-डोर जागरूकता अभियान के तहत टीम द्वारा प्रत्येक घर तक पहुँचकर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने के लिए निवासियों को प्रेरित किया जा रहा हैं। जागरूकता अभियान नगर परिषद सभापति सरोज अग्रवाल एवं आयुक्त धर्मेन्द्र कुमार मीणा के निर्देशन में WeVOIS की IEC Team के सहयोग से प्रभावी रूप से संचालित किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत IEC टीम द्वारा घर-घर जाकर लोगों को गीले एवं सूखे कचरे के पृथक्करण, ग्रीन और ब्लू डस्टबिन के सही उपयोग, तथा स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। टीम लोगों को यह भी समझा रही है कि डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली शहर में स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए अत्यंत आवश्यक है। अभियान के प्रथम चरण में टीम ने देवपुरा कॉलोनी और वार्ड नंबर 28 में जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित कीं, जहाँ निवासियों को यह स्पष्ट रूप से बताया गया कि कचरा अब केवल नियमित रूप से आने वाले कचरा संग्रहण वाहनों में ही दिया जाए और किसी भी स्थिति में खुले में कचरा न फैलाया जाएं।

राजनैतिक दलों का सहयोग एसआईआर - 2026 प्रक्रिया की सफलता का महत्वपूर्ण आधार - सुराणा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने शुक्रवार को डीओआईटी वीसी सभागार में आयोजित बैठक के दौरान विभिन्न राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को एसआईआर–2026 के अंतर्गत की जा रही गतिविधियों की चर्चा कर विस्तृत जानकारी दी। जिला निर्वाचन अधिकारी सुराणा ने कहा कि एसआईआर—2026 मतदाता सूची को शुद्ध, अद्यतन व दोहराव रहित बनाने के उद्देश्य से किया जा रहा है। राजनैतिक दलों का सहयोग एसआईआर—2026 प्रक्रिया की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा पूरी प्रक्रिया को समयबद्ध, निष्पक्ष और प्रभावी तरीके से पूर्ण किया जाने में राजनैतिक दलों का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर–2026 के तहत गणना चरण सुव्यवस्थित तरीके से प्रगति पर है। इस प्रक्रिया में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्र भरवाए जा रहे हैं, साथ ही भरे गए प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन कार्य भी निरंतर जारी है। उन्होंने बताया कि बीएलओ द्वारा मतदाताओं को दिए गए गणना प्रपत्र प्राप्त नहीं होने पर उस भाग के मतदाताओं की सूची बीएलओ के द्वारा उस भाग के बीएलए को दी जाएगी, जिसमें बीएलए गणना प्रपत्रों को प्राप्त करने में बीएलओ का सहयोग करेंगे। उन्होंने बताया कि 26 नवंबर, 28 नवंबर तथा 03 दिसंबर, 2025 को बीएलओ अपने भाग के बीएलए को प्राप्त नहीं होने वाले गणना प्रपत्रों के मतदाताओं की जानकारी देंगे। इस कार्य में सभी बीएलए सहयोग करें। उन्होंने बताया कि सभी विधानसभा क्षेत्रों में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को भी ईआरओ द्वारा जानकारी दी जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि किसी मतदाता का नाम दो अलग-अलग स्थानों पर दर्ज है, तो उसे केवल एक ही स्थान पर गणना प्रपत्र भरना होगा। गणना चरण के पूर्ण होने पर ड्राफ्ट रोल में उस मतदाता का नाम एक ही जगह प्रकाशित होगा। जिला निर्वाचन अधिकारी सुराणा ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से फील्ड स्तर पर बीएलए के माध्यम से मतदाताओं का सहयोग करने तथा एसआईआर गतिविधियों से समयबद्ध संपादन के लिए आग्रह किया। उन्होंने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे मतदाताओं को इस प्रक्रिया में सहयोग करने हेतु प्रेरित करें, ताकि जिले में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य को सुचारू व पारदर्शी तरीके से पूरा किया जा सके। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्वेता कोचर ने एसआईआर—2026 के विभिन्न तकनीकी पहलुओं और डिजिटाइजेशन प्रक्रिया की प्रगति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों ने बैठक के दौरान समुचित सहयोग की बात कही तथा फील्ड स्तर पर बीएलए के माध्यम से बीएलओ व मतदाताओं का सहयोग करने के लिए आश्वस्त किया। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी से नारायण बेनीवाल, इंडियन नेशनल कांग्रेस से असलम खोखर, आम आदमी पार्टी से संतोष मीणा, बहुजन समाज पार्टी से ओमप्रकाश, शिवप्रकाश शर्मा, आशीष, गोविंद राहड़ सहित अन्य मौजूद रहे।

बाल वाहिनियों का निरीक्षण कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले में संचालित बाल-वाहिनियों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। प्राधिकरण सचिव डॉ. महेन्द्र सिंह सोलंकी ने बताया कि माननीय रालसा के निर्देशों की पालना में जिला परिवहन अधिकारी मोनू सिंह मीणा के साथजिला मुख्यालय पर निजी विद्यालयों द्वारा संचालित बाल वाहिनियों का औचक निरीक्षण कर जांच की गई। उन्होंने बताया कि बाल वाहिनियों में क्षमता से अधिक बच्चों को ले जाना न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि बच्चों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। डॉ. सोलंकी ने बताया कि बाल वाहिनियों की आकस्मिक जांच में निर्धारित बिन्दओं वाहन का रंग, वाहन का स्कुल ड्यूटी लिखा होना, वाहन पर वाहन चालक एवं विधालय का विवरण, फर्स्ट एड बॉक्स, अग्निशमन यंत्र, जीपीएस सिस्टम, आपातकालीन निकास, विशेष बच्चों के लिये सुविधा, वाहन चालक एवं सहायक के वैध लाईसेंस व पहचान दस्तावेज, वाहन चालक का भारी वाहन चलाने का अनुभव, पूर्व में गंभीर चालान अथवा दुर्घटना रिकॉर्ड पर ड्राईवर को अयोग्य माना जाना, निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को बाल वाहिनियों में बिठाना, बाल वाहिनियों की गति निर्धारित सीमा में हो, वाहन चालक व सहायक समय-समय पर मेडिकल परीक्षण, बाल वाहिनी में चढ़ने उतरने का सुरक्षित स्थान, बाल वाहिनियों की समग्र फिटनेश आदि के सम्बन्ध में जांच की गई। प्राधिकरण सचिव ने बताया कि जांच के दौरान जानकारी भी दी गई कि निर्धारित मानक अनुसार बाल वाहिनयों का संचालन नहीं किया जाना एवं क्षमता से अधिक बच्चों को वाहन में बैठाना दुर्घटना की स्थिति में जनहानि का कारण बन सकता है। प्राधिकरण सचिव ने वाहन चालकों, विधालयों प्रबन्धकों एवं अभिभावकों से अपील की कि प्रत्येक बच्चा उनके परिवार के लिए महत्वपूर्ण है इसलिए उसकी जान जोखिम में न डाले। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देना हम सबका सामूहिक दायित्व होना चाहिए। यदि किसी को बाल वाहिनियों में ओवलोडिंग अथवा सुरक्षा नियमों में किसी प्रकारकी कमी के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त होती है तो इस सम्बन्ध में सूचना तत्काल सम्बन्धित विभाग अथवा प्राधिकरण को देकर आवश्यक कार्यवाही करवाई जा सकती है। न्यायाधीश ने बताया कि यह अभियान का पहला दिवस है। इस दौरान बाल वाहिनियों में पाई गई कमियों के बाबत परिवहन विभाग द्वारा चालान भी बनाए गए तथा वाहन चालकों/स्कूल संचालकों को पाई गई कमियों को 10 दिवस में दुरूस्त करवाने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान परिवहन विभाग द्वारा 2 बाल वाहिनियों का चालान भी किया गया। इस दौरान परिवहन निरीक्षक रोहिताश आदि उपस्थित रहे।

पूर्वी राजस्थान की दशक़ों पुरानी मांग पूरी होगी:

डूंगरी बांध पर सरकार की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस, किसानों की आशंकाएँ दूर करने का भरोसा

सवाईमाधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीना, जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने कहा है कि पूर्वी राजस्थान के सभी जिलों की आम जनता की पेयजल, सिंचाई आदि के लिए पानी की बरसों पुरानी मांग को पूरा करने के लिए ही राज्य सरकार ने संशोधित पीकेसी परियोजना (राम जल सेतु) परियोजना के तहत डूंगरी बांध का निर्माण किया जाना प्रस्तावित है। इस परियोजना का सबसे अधिक लाभ सवाई माधोपुर और करौली जिलों को होने वाला है। इस प्रस्तावित बांध से वही क्षेत्र प्रभावित होने वाले हैं, जो मोरेल और बनास नदियों में बरसात के दौरान अधिक पानी की आवक से सामान्यतया प्रभावित होते हैं। डूंगरी बांध के विषय पर शुक्रवार को राज्य सचिवालय में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में मंत्रियों ने यह बात कही। इस प्रेस कान्फ्रेन्स में विडिओ लिंक के माध्यम से सवाई माधोपुर के स्थानीय पत्रकार भी शामिल हुए। मंत्रियों ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में ईआरसीपी परियोजना को विस्तार देते हुए संशोधित पार्वती कालिसिंध चंबल लिंक परियोजना लिए मध्यप्रदेश के साथ सफलतापूर्वक एमओयू और एमओए करके राजस्थान वासियों को सौगात दी। वर्तमान में इस परियोजना पर कार्य प्रारंभ हो गया है, लेकिन कुछ लोगों द्वारा अपने राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आम लोगों ने बांध के बारे में भ्रम फैलाया जा रहा है। डॉ. मीना ने कहा कि राजस्थान को जल आत्मनिर्भर बनाने में यह परियोजना मील का पत्थर साबित होने जा रही है। परियोजना के तहत कुल 2 लाख 51 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा सृजित होगी, जिसमें से मुख्यतः सवाई माधोपुर और करोली जिले की 1 लाख 25 हजार हेक्टेयर भूमि को सिंचाई के लिए पानी और लोगों को भरपूर पेयजल मिलने जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस बांध के बनने से इस क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ेगी, उद्योग धंधों, पर्यटन का विकास होगा और विभिन्न रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। राज्यमंत्री बेढ़म ने पत्रकारों को बताया कि डूंगरी बांध को बनाने के दौरान प्रभावित होने वाले लोगों को अच्छा मुआवजा और पुनसर्थापन का लाभ मिलेगा। इसके लिए पूरी योजना तैयार कर ली गई है। यह परियोजना राजस्थान में पानी के संकट को दूर करने का काम करने जा रही है। इस परियोजना से राज्य के 17 जिलों और प्रदेश की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल और किसान भाइयों को सिंचाई के लिए जल मिलने जा रहा है। जल संसाधन मंत्री रावत ने प्रभावित क्षेत्रों के किसानों और आम लोगों के अपील की वे गुमराह करने वालों से सावधान रहें तथा किसी भी बांध के विषय में किसी भी भ्रम को दूर करने के लिए स्वयं ए अपने प्रतिनिधियों को भेजकर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों से परियोजना की पूरी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि वह स्वयं और राज्य सरकार आमजन को पूरी जानकारी देने के लिए हमेशा तत्पर है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने आयोजित किया विशाल रक्तदान शिविर

-82 यूनिट रक्त संगठित शिक्षा के साथ मानवता, बोर्ड के रक्तदान शिविर ने दिखाई मिसाल

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। वन्देमात्रम/150 कार्यक्रम की श्रृंखला में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रांगण में शुक्रवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि बोर्ड प्रशासक एवं संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ रहे। बोर्ड प्रशासक राठौड़ ने कहा कि रक्तदान महादान एक पुनीत कार्य है। यह जीवनरक्षक कार्य है। इससे आवश्यकतानुसार रक्त की निरन्तर आपूर्ति सुनिश्चित होती है। रक्तदान करने से व्यक्ति शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। बोर्ड सचिव गजेन्द्र सिंह राठौड़ ने भी रक्तदान किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान के बाद शरीर नई रक्त कोशिकाओं का निर्माण करता है। इससे शरीर की क्षमता भी बढ़ जाती है। इसलिए रक्तदान न केवल किसी का जीवन बचाता है बल्कि शरीर को भी स्वस्थ रखता हैं। जीवन में जब भी अवसर मिले रक्तदान अवश्य करें। बोर्ड की विशेषाधिकारी नीतू यादव ने कहा कि रक्तदान एक पवित्र कार्य है। रक्तदान सामुदायिक भावना को बढ़ावा देता है और लोगों को एक साझा उद्देश्य के लिए एकजुट करता है। रक्तदान से एक भावनात्मक संतुष्टि भी होती है कि आपने किसी की जान बचाई हैं। रक्तदान एक जीवन रक्षक कार्य है। इस अवसर पर बोर्ड अधिकारियों, कार्मिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आमजन ने अपनी भागीदारी दी और 107 लोगों से 82 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। बोर्ड के वित्तीय सलाहकार कृष्णपाल सिंह ने भी रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का सफल संचालन प्रभारी जवाहर लाल नेहरू राजकीय चिकित्सालय के ब्लड बैंक के विभागाध्यक्ष डॉ. आनन्द यादव और उनकी टीम के निर्देशन में हुआ। इस अवसर पर बोर्ड परीक्षा नियंत्रक राजेश निर्वाण, निदेशक प्रशासन राजेन्द्र पारीक, संयुक्त विधि परामर्शी महिपाल मुणोत, निदेशक गोपनीय गीता पलासिया, सहायक निदेशक संस्थापन राजीव चतुर्वेदी, सहायक निदेशक सम्पदा अरूण जोशी, अजय बंसल, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष मोहनसिंह रावत, महामंत्री करण सिंह यादव, व्यापारिक एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के किशन गुप्ता, कमल गंगवाल तथा विजय पाण्डया उपस्थित रहें।

प्राधिकरण सचिव भाटी ने जिला कारागृह का किया निरीक्षण

पाली (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार विक्रम सिंह भाटी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (अपर जिला न्यायाधीश) पाली द्वारा शुक्रवार जिला कारागृह, पाली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 115 बंदी जिला कारागृह में निरूद्ध मिले।

इस दौरान निरीक्षण सचिव भाटी द्वारा बन्दीगण से वार्तालाप कर कारागृह में भोजन, चिकित्सीय सुविधा, पेयजल, सफाई व्यवस्था इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। इसके अतिरिक्त कोई भी बन्दी निजी अधिवक्ता करने में असमर्थ हो अथवा विधिक सहायता के अभाव में बिना अधिवक्ता के कारागृह में निरूद्ध ना रहे, इस हेतु सचिव भाटी द्वारा कारागृह में बन्दीगण को निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी दी गई। साथ ही ऐसे बन्दी जिनकी जमानत होने के उपरांत भी कारागृह में निरूद्ध हो इस संबंध में भी जानकारी ली गई तथा बंदियों को उनके प्रकरणों की स्थिति के बारे में बताया। सचिव भाटी द्वारा शिकायत पेटी का भी निरीक्षण किया गया तथा यह भी सुनिश्चित किया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र का कोई भी व्यक्ति जिला कारागृह में निरूद्ध न रहे। सभी बन्दी की ओपीडी के समय में स्वास्थ्य जांच की जाती है तथा इमरजेन्सी होने पर बन्दीगण को राजकीय बांगड़ अस्पताल पाली रेफर किया जाता है। निरीक्षण जिला कारागृह गुलाबचन्द डॉ. रॉयमेन जोसेफ चिकित्सक डिस्पेंसरी जिला कारागृह पाली, रविन्द्र परिहार मेलनर्स, अल्ताफ हुसैन जेल विजिटिंग लॉयर आदि उपस्थित रहे।

दिशा की बैठक आयोजित, सांसद ओला ने दिए आवश्यक निर्देश

झुंझुनूं (रॉयल पत्रिका)। जिला विकास में समन्वय एवं निगरानी समिति यानी दिशा की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में झुंझुनू लोकसभा क्षेत्र सांसद बिजेंद्र ओला की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर डॉ अरुण गर्ग ने जिले की प्रगति से अवगत कराया। बैठक में विभिन्न अधिकारियों ने जिले में हुई प्रगति का खाका पेश किया। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजन, पेयजल सप्लाई, फसली बीमा, मौसमी बीमारियों की रोकथाम के प्रयास, डीएमएफटी फंड समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई। बैठक में पिलानी विधायक पितराम सिंह काला, उदयपुरवाटी विधायक भगवाना राम सैनी, झुंझुनूं प्रधान पुष्पा चाहर, नवलगढ़ प्रधान दिनेश सुंडा, चिड़ावा प्रधान इंदिरा डूडी, सिंघाना प्रधान सरला सैनी, उदयपुरवाटी नगरपालिका अध्यक्ष रामनिवास सैनी, अलसीसर प्रधान घासीराम पूनिया, सूरजगढ़ प्रधान बलवान पूनिया, बुहाना प्रधान हरिकिशन यादव, जिला परिषद सीईओ कैलाश यादव समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

रुपाली सूरी ने अपने नए फोटोशूट से स्क्रीन पर मचाई आग

रुपाली सूरी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह इंडस्ट्री के सबसे आकर्षक चेहरों में क्यों गिनी जाती हैं। उनका नया फ़ोटोशूट इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है – सिर्फ इसलिए नहीं कि वह ग्लैमरस दिख रही हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह हर फ्रेम में एक ऐसी ऊर्जा, आत्मविश्वास और आभा लेकर आती हैं जो बिल्कुल बिजली-सी महसूस होती है। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, फैन्स ठहरकर देखने पर मजबूर हो गए। इन फ्रेम्स में रुपाली का जादू कुछ और ही है – जिस तरह वह खुद को कैरी करती हैं, उनकी आँखों की सूक्ष्म गहराई, और हर पोज़ में उनकी सहज एलीगेंस। यह सिर्फ एक फ़ोटोशूट नहीं है; यह एक ऐसी महिला को देखने का अनुभव है जो अपनी शक्ति को पूरी तरह जीती है। जो बात सबसे ज्यादा उभरकर सामने आती है, वह है हर शॉट में उनकी भावनात्मक गहराई। ग्लैमर के पीछे एक कहानी है – आत्मविश्वास की, अनुशासन की, और उस शांत ताकत की जो एक ऐसी महिला में होती है जो खुद को पूरी तरह जानती है। हर लुक उनकी यात्रा का एक हिस्सा बयान करता है – वह दृढ़ता जो उन्होंने बनाई है, वह गरिमा जो वह साथ लेकर चलती हैं, और वह जुनून जो उन्हें आगे बढ़ाता रहता है। रुपाली का यह नया फ़ोटोशूट सिर्फ उनकी खूबसूरती को उजागर नहीं करता; यह उनकी आत्मा को भी चमकाता है। यह याद दिलाता है कि वह सिर्फ एक ग्लैमरस चेहरा नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत हैं जिनमें गहराई, हिम्मत और एक ऐसा करिश्मा है जो तस्वीर खत्म होने के बाद भी दिल पर छाप छोड़ जाता है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ तस्वीरें पल भर के लिए आती और चली जाती हैं, रुपाली सूरी ने कुछ ऐसे पल बनाए हैं जो अविस्मरणीय लगते हैं – ऐसे पल जो उनके भीतर की आग को महसूस करा देते हैं।

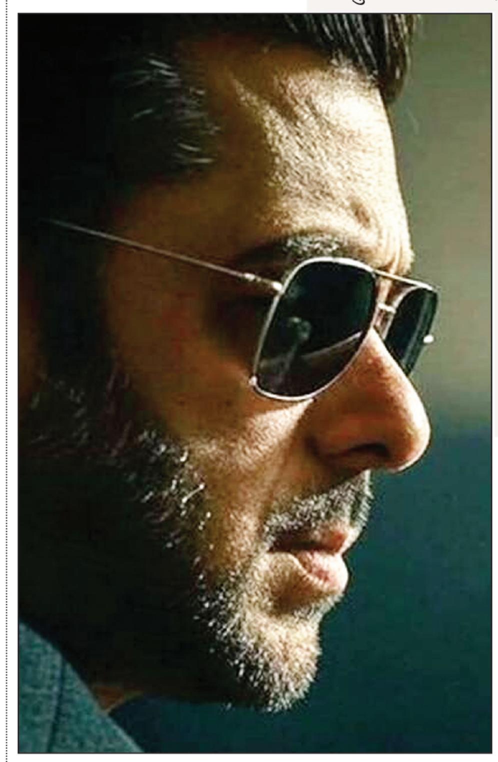

सलमान पर हमला करवाने वाला अनमोल NIA की गिरफ्त में

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया है। वह कई आपराधिक मामलों में वॉन्टेड है। अप्रैल 2024 में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में भी उसका हाथ था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था। अनमोल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। सलमान खान के घर हुई फायरिंग और सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से भी उसका कनेक्शन है। अनमोल बिश्नोई को दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने पकड़ लिया।

माधुरी दीक्षित ने की क्रिप्टिक पोस्ट, फैंस हुए हैरान

धक-धक गर्ल ने लिखा- मार डाला

बुधवार को माधुरी दीक्षित ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उनके हिट गानों को अलग अलग अंदाज में लिखा गया था। इस पोस्ट को देखकर माधुरी के फैंस भी हैरान हैं। तमाम तरह की अटकलें इस पोस्ट को लेकर लगाई जा रही हैं। माधुरी दीक्षित की कई फिल्मों में ऐसे हिट गानों पर डांस किया, जो आज भी दर्शकों को याद हैं। गाने का नाम लेते हैं, लोगों को माधुरी का डांस याद आ जाता है। बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में भी माधुरी दीक्षित ने अपने कुछ हिट गानों का जिक्र किया। लेकिन यह जिक्र क्रिप्टिक अंदाज में किया गया था। फैंस ने इस पोस्ट पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दिए हैं।

माधुरी ने क्यों लिखा- 'मार डाला'

अपनी पोस्ट में माधुरी ने कई गानों का जिक्र किया, जिसमें 'एक दो तीन' से शुरुआत की। आगे पोस्ट में 'भोली सी सूरत' गाना लिखा है और उसमें भोली शब्द को कटा हुआ। इसी तरह आगे एक जगह पर 'मार डाला मारा डाला' लिखा है और इसके साथ एक खून से सना हुआ चाकू बना है। पहले तो फैंस को समझ नहीं आया कि यह माजरा क्या है। लेकिन कुछ फैंस को लगा कि माधुरी अपनी किसी फिल्म का अपडेट दे रही हैं।

प्राइवेट एयरपोर्ट से निकलते हुए शाहरुख खान ने छिपाया चेहरा

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान को भी मंगलवार को कलिना एयरपोर्ट से निकलते हुए स्पॉट किया गया है। इस दौरान एक्टर की टीम ने हर बार की तरह उनका चेहरा छाते की आड़ में छिपाकर रखा था। सोहेल खान भी प्राइवेट एयरपोर्ट से निकलते नजर आए हैं। उन्होंने नीली टी-शर्ट के साथ जींस पेयर किया था। सलमान खान को मंगलवार रात को मुंबई के प्राइवेट कलिना एयरपोर्ट से निकलते हुए स्पॉट किया गया है। टाइट सिक्योरिटी के साथ एयरपोर्ट से रवाना हुए सलमान खान बीते कुछ दिनों से दोहा में हो रहे दबंग टूर में व्यस्त चल रहे थे। एयरपोर्ट में सलमान खान ने ब्राउन टी-शर्ट के साथ जींस पेयर किया था। टाइट सिक्योरिटी के बीच सलमान ने फैंस और पैपराजी के लिए वेव किया है। उनका बॉडीगार्ड शेरा भी साथ मौजूद था।

अदाकारी के बाद अब ...

निर्माता की कुर्सी संभालेंगे पंकज त्रिपाठी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की अदाकारी से दर्शक वाकिफ हैं। कई फिल्मों और सीरीज में उन्होंने दमदार किरदार अदा किए हैं। अब वे बतौर निर्माता डेब्यू कर रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, 'परफेक्ट फैमिली'। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है।

यूट्यूब पर देख सकेंगे सीरीज

पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 'एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा'।

धनुष के साथ फिर से और भी फिल्मों में काम करना चाहती हैं कृति सेनन, बोली-

मैं उनकी बड़ी प्रशंसक

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कृति सेनन और साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। फैंस उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। फिल्म को आनंद एल राय ने निर्देशित किया है और हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने इसकी कहानी को लिखा है। ए.आर. रहमान का संगीत और इरशाद कामिल के गाने इस फिल्म को और भी खास बना रहे हैं। एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने इस फिल्म का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि धनुष के साथ काम करना उनके लिए रोमांचक भरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से धनुष के अभिनय और उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। वह अभिनय के हर पहलू को गहराई से समझने वाले कलाकार हैं। उनका अभिनय और निर्देशन का अनुभव सीन को पर्दे पर सही तरीके से पेश करने में बहुत मदद करता है। कृति ने कहा, ''धनुष अपने किरदार में कई अलग-अलग भाव और पहलुओं को बहुत खूबसूरती से सामने लाते हैं। मुझ पर उनके साथ काम करने का बेहद उत्साह था, क्योंकि मुझे पता था कि धनुष के साथ काम करते हुए मैं अपनी कला और बेहतर तरीके से दिखा सकूंगी। हमने सेट पर एक-दूसरे को पहली बार देखा, लेकिन इसका असर अभिनय पर बिल्कुल नहीं पड़ा। कृति ने बताया कि फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं जो काफी गहराई वाले हैं, और ऐसे सीन तभी प्रभावशाली बनते हैं जब दोनों कलाकार एक-दूसरे से प्रेरणा लें और अपने अभिनय में उसे महसूस कर सकें। कृति ने कहा, 'जब कोई सीन अच्छा निकलता, तो हम दोनों एक-दूसरे की ओर देखकर कहते, 'यह सीन बहुत अच्छा हुआ।' मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे धनुष के साथ और भी फिल्मों में काम करने का मौका मिलेगा।' फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

'संजय दत्त पिछले जन्म में थे अशोक वंश के राजा

एक्टर संजय दत्त ने एक इंटरव्यू में अपने पिछले जन्म के बारे में बताया था कि वह क्या थे। उनके मुताबिक, एक पुजारी ने दावा किया था कि उन्होंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और खुद भी भूखे मर गए थे।

संजय दत्त ने पिछले जन्म की बातें बताई थीं

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त जल्द ही फिल्म 'धुरंधर' में एसपी के रोल में नजर आएंगे। 5 दिसंबर को रिलीज हो रही मूवी में वह पुलिस फोर्स को लीड करते दिखेंगे। मगर उसके पहले इनके पिछले जन्म के बारे में कुछ जानकारी सामने आई है। जो खुद एक्टर ने बताई है। लंबे समय से इंडस्ट्री में एक्टिव अभिनेता ने एक बार इस अजीब घटना के बारे में बताया था कि कैसे एक पुजारी ने उन्हें उनके पिछले जन्म के बारे में कई चौंकाने वाले दावे किए थे।

संजय दत्त ने बताया था कि वह पिछले जन्म में एक राजा थे। 2005 के एक एपिसोड में इस अनुभव का जिक्र करते हुए कहा था कि चेन्नई के

पास शिवनेरी नाम की एक जगह है। कर्नाटक के गंगावती कस्बे के एक दोस्त ने उन्हें इस गांव जाने का सुझाव दिया था। एक्टर ने याद करते हुए बताया था, 'ये एक छोटा-सा गांन है। और वहां आप अपने अंगूठे के निशान देते हैं।

संजय दत को पिछले जन्म के कर्म से मिले दुख

संजय के मुताबिक, 'उन्होंने मेरा पता खोज लिया और कहा कि आपके पिता का नाम बलराज दत्त है तो मैंने कहा नहीं, वह तो सुनील दत्त हैं। फिर उन पंडित ने कहा कि मां का नाम फातिमा हुसैन होना चाहिए और ये कौन ही जानता है।' एक्टर ने बताया कि पुजारी ने उनके पिछले जन्म के बारे में भी काफी कुछ दावा किया था।

संजय पिछले जन्म में कौन थे?

एक्टर ने आगे बताया कि पुजारी ने उनसे कहा था, 'मैं अशोक वंश का राजा था। मेरी पत्नी का मेरे मंत्री के साथ संबंध था और उसने मुझे युद्ध में मरने के लिए भेज दिया था। लेकिन मैंने बहुत से लोगों को मारा और जब मैं वापस आया तो मुझे पता चला उसके बारे में और मैंने उसे मार डाला। और मंत्री को भी मार दिया।

कार्तिक आर्यन की सबसे साहसी छलांग 'धमाका'' को हुए 4 साल

रिलीज़ के चार साल बाद भी 'धमाका' कार्तिक आर्यन की आर्ट जर्नी का एक अहम मोड़ बनकर खड़ा है। राम माधवानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने कार्तिक की परिचित अर्बन-चार्म वाली इमेज से हटकर उन्हें एक गहरे, नैतिक रूप से उलझे हुए एक ऐसे न्यूज़ रूम एंकर अर्जुन पाठक के रूप में उतारा था, जो दबाव, डर और निजी टूटन के बीच फंसा हुआ है। इस किरदार में कार्तिक ने अपने स्थापित स्टार-प्रतिमान से बाहर निकलकर एक नए, गहरे और संवेदनशील अभिनय क्षेत्र में कदम रखा था। हालांकि 'धमाका' को और भी खास बनाता है उस वक्त का दौर, जब पूरी इंडस्ट्री महामारी के कारण ठहर-सी गई थी। उसी दौरान कार्तिक आर्यन की यह फिल्म कोविड काल में शूट और रिलीज़ होने वाली शुरुआती फिल्मों में से एक बनी और दर्शकों की पहली पसंद बन गई। गौरतलब है कि कोविड की पहली लहर के दौरान, पूरी टीम ने सख्ती के बावजूद मात्र 10 दिनों में फिल्म की शूटिंग पूरी की थी, जो उस समय लगभग असंभव बात थी। वैसे रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में अपनी भूमिका के लिए कार्तिक आर्यन को ?20 करोड़ की फीस दी गई थी।

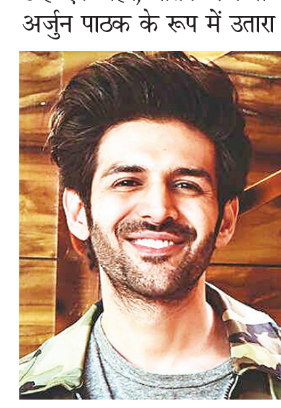

धनुष के मैनेजर पर लगे कास्टिंग काउच के आरोपों पर अभिनेत्री ने दी सफाई

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों कास्टिंग काउच का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अभिनेता धनुष के मैनेजर पर लगे आरोपों के बाद अब मान्या आनंद ने खुद सामने आकर सच बताया है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों एक बड़े विवाद में उलझ गई है, जहां सुपरस्टार धनुष के मैनेजर बताए जाने वाले शख्स श्रेयस पर कास्टिंग काउच के गंभीर आरोपों ने हलचल मचा दी है। यह मुद्दा तब और गरमाया जब आरोप लगाने वाली अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर नया बयान जारी कर अपनी सफाई दी और कई अफवाहों को गलत ठहराया।

क्या है पूरा मामला?

विवाद की शुरुआत तब हुई थी जब एक्ट्रेस ने दावा किया कि उन्हें एक व्यक्ति ने कॉल कर खुद को धनुष की टीम का हिस्सा बताया और उन्हें नए प्रोजेक्ट का ऑफर दिया। आरोप यह था कि काम दिलाने के बहाने उस व्यक्ति ने अभिनेत्री पर दबाव डालने की कोशिश की और एडजस्ट करने जैसी गलत बात कही। इससे अभिनेत्री मानसिक तनाव में आ गईं, जिसके बाद उन्होंने यह मामला सोशल प्लेटफॉर्म पर उठाया। इस आरोप ने खूब सुर्खियां बटोरीं और सोशल मीडिया पर यह बात फैल गई कि धनुष के मैनेजर श्रेयस पर सीधे तौर पर उंगली उठाई गई है।

अफवाहों को बताया गलत

हालांकि अब अभिनेत्री ने खुद सामने आकर कई अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि उनका बयान गलत तरीके से पेश किया गया और कई चैनलों ने इसे धनुष पर आरोप' जैसा बनाकर प्रसारित किया, जबकि उन्होंने कभी भी ऐसा दावा नहीं किया था। एक्ट्रेस के अनुसार, जिसने उन्हें कॉल किया था वह सिर्फ यह कह रहा था कि वह 'धनुष की ओर से बात कर रहा है ', लेकिन उसने यह बिल्कुल नहीं कहा कि वह वास्तव में धनुष की आधिकारिक टीम का हिस्सा है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि ऐसे लोग फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर फर्जी पहचान बनाकर कलाकारों को निशाना बनाते हैं।

क्या लगाया था आरोप?

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि कॉल करने वाले ने खुद को 'श्रेयस' बताया था और फिल्मों में रोल दिलाने की बात कही थी। लेकिन वे स्पष्ट रूप से कहती हैं कि यह संभव है कि वह व्यक्ति सिर्फ नकली नाम और झूठी पहचान का इस्तेमाल कर रहा हो। उन्होंने लोगों और मीडिया से अपील की कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश न किया जाए, क्योंकि इससे बेवजह गलतफहमियां फैलती हैं और निर्दोष लोगों की छवि खराब होती है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटनः

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे।

ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कपःभारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन

निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए। भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। निकहत आखिरी बार 20 महीने पहले पिछले साल फरवरी में स्ट्रांजा मेमोरियल टूर्नामेंट में पोडियम तक पहुंची थीं। दिल्ली में दो साल पहले विश्व चैंपियनशिप जीतने वाली निकहत ने कहा, 'मुझे खुशी है कि पेरिस ओलंपिक के बाद मेरे पदकों का खाता खुला है। यहां से आगे ही जाना है।

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी, कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- पहला वनडेः 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- दूसरा वनडेः 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- तीसरा वनडेः 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यूः तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे।

वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

आईसीसी अंडर-19 विश्व कपः

भारत और पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।

आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था।

इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है।

एशेज 2025-26:

फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं।

तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं। सभी पांच टेस्ट के लिए, पांचवें दिन के टिकट मैच की स्थिति के आधार पर दिए जाएंगे। पर्थ में होने वाले पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन का ऐलान कर दिया है।

ऑस्ट्रेलिया प्लेइंग इलेवनः

उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ (कप्तान), ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए 12 खिलाड़ियों का ऐलान किया है। प्लेइंग इलेवन का ऐलान टॉस के समय होगा। इंग्लैंड का 12 सदस्यीय स्क्वाडः बेन डकेट, जैक क्रॉली, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, बेन स्टोक्स (कप्तान), जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), गस एटकिंसन, ब्रायडन कार्स, मार्क वुड, जोफ्रा आर्चर, शोएब बशीर।

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

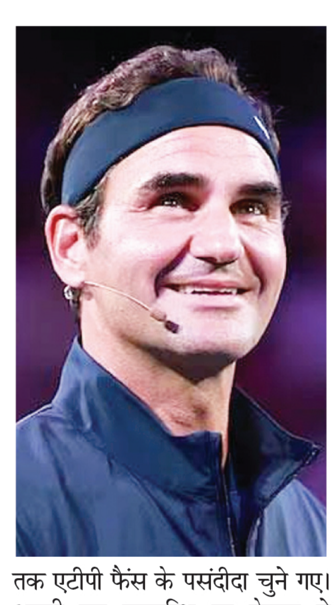

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा।

फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड 'नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड 'मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोट 'आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है.

गोरखपुर ऑयल फैक्ट्री में भीषण आग:

-50 हजार लीटर हेक्सेन गैस से धमाके का खतरा, 25 फायर टेंडर जुटे

गोरखपुर । गोरखपुर के गीडा इंडस्ट्रियल क्षेत्र में शुक्रवार तड़के लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में हड़कंप मचा दिया। सुबह करीब 4 बजे रूंगटा इंडस्ट्रीज लिमिटेड के ब्रान ऑयल प्लांट में अचानक आग भड़क उठी। शुरुआती जांच में पता चला कि जिस टैंक में आग लगी, उसमें लगभग 50 हजार लीटर हेक्सेन गैस भरी हुई थी—जो काफी अत्यंत ज्वलनशील मानी जाती है। यही वजह रही कि आग इतनी तेजी से फैल गई कि देर रात तक भी उसे पूरी तरह बुझाया नहीं जा सका।

धमाके का खतरा, 25 फायर टेंडर लगातार ठंडा करते रहे टैंक-
आग का सबसे बड़ा खतरा टैंक में भरे हेक्सेन गैस के धमाके का था। टैंक के अंदर दबाव बढ़ने पर विस्फोट की आशंका बनी हुई थी।
इस स्थिति को कंट्रोल में रखने के लिए गोरखपुर, बस्ती, देवरिया, संतकबीरनगर, महराजगंज समेत 12 जिलों से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां बुलाई गईं। करीब 25 फायर टेंडर लगातार पानी की बौछार करके टैंक को ठंडा करते रहे, ताकि गैस का प्रेशर न बढ़े और कोई बड़ा हादसा न हो। फायर टीम ने बताया कि वेपर बनने की प्रक्रिया तेज होने से टैंक के आसपास का तापमान बेहद ऊंचा था। इसलिए हर सेकंड की सतर्कता जरूरी थी। फायर ऑफिसर्स ने रात भर रोटेशन में टीमें लगाईं ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

गैस लीकेज से लोगों को सांस लेने में दिक्कत-
आग लगने के कुछ ही देर बाद आसपास के इलाके में तीखी गैस की बदबू फैल गई। स्थानीय लोगों ने बताया कि गले में खराश और सांस लेने में थोड़ी तकलीफ महसूस हुई। इसके चलते जिला प्रशासन ने करीब 500 मीटर के दायरे में स्थित 3 अन्य फैक्ट्रियों को बंद करा दिया। क्षेत्र को पूरी तरह से बैरिकेड कर दिया गया, और पब्लिक को घटनास्थल के नजदीक जाने नहीं दिया गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार निगरानी करती रहीं।

दिल्ली से पहुंची विशेषज्ञों की टीम-
क्योंकि मामला अत्यंत टेक्निकल और संवेदनशील था, इसलिए प्लांट के इंस्टालेशन करने वाली कंपनी की विशेषज्ञ टीम को तुरंत बुलाया गया। दिल्ली से 5 सदस्यीय टेक्निकल एक्सपर्ट टीम दोपहर तक गोरखपुर पहुंची। इस टीम में उच्च प्रशिक्षित इंजीनियर शामिल हैं, जिन्हें हेक्सेन गैस और ऑयल प्लांट में होने वाले औद्योगिक हादसों को कंट्रोल करने का अनुभव है। उन्होंने फायर ब्रिगेड के साथ मिलकर आग के स्रोत, गैस प्रेशर और टैंक की सुरक्षा की जांच की। चीफ फायर अफसर ने बताया कि विशेषज्ञों की मदद से आग का दायरा सीमित करने और गैस लीकेज पर काबू पाने में तेजी आई। हालांकि टैंक की रचना और गैस की मात्रा को देखते हुए किसी भी तरह की लापरवाही बेहद भारी पड़ सकती थी।

कर्मचारियों में भगदड़, लेकिन कोई जनहानि नहीं-
आग जिस समय लगी, उस समय प्लांट में कामकाज चल रहा था। जैसे ही पाइपलाइन में आग भड़की और तेज लपटें उठीं, फैक्ट्री में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारी तुरंत बाहर की ओर भागे और कुछ ही मिनटों में पूरा परिसर खाली करा लिया गया। डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट दीपक मीणा ने बताया— "आयल के अंदर वेपर बनने से स्थिति चुनौतीपूर्ण है। लेकिन हमारी टीमें सक्रिय हैं। प्लांट इंस्टॉल करने वाली कंपनी के इंजीनियरों को बुला लिया गया है। अभी तक किसी प्रकार की जनहानि की जानकारी नहीं मिली है।" यह प्रशासन और फायर टीम की तत्परता का ही नतीजा है कि इतना बड़ा हादसा होने के बावजूद कोई जान नहीं गई।

फैक्ट्री की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल-
गोरखपुर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी (गीडा) के सेक्टर-15 में स्थित इस प्लांट में सुरक्षा मानकों को लेकर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। प्लांट में हेक्सेन गैस का 50 हजार लीटर स्टॉक रखे जाने के बावजूद गैस लीकेज अलार्म सिस्टम और पाइपलाइन मॉनिटरिंग में कमजोरी सामने आई है। आग जिस पाइप में लगी, वह गैस सप्लाई लाइन है। शुरुआती संकेत मिल रहे हैं कि पाइप में या उसके जोड़ में लीकेज था, जो हादसे की बड़ी वजह बना। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर गैस का प्रेशर थोड़ा भी बढ़ जाता, तो स्थिति और भयावह हो सकती थी।

अखिलेश का नया सियासी फार्मूला:

-मायावती पर बयानबाज़ी रोककर 2027 के लिए बड़ा सोशल इंजीनियरिंग प्लान

लखनऊ । बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों ने न सिर्फ महागठबंधन को झटका दिया है, बल्कि पूरे विपक्ष खासकर समाजवादी पार्टी (सपा) को गहरी सोच में डाल दिया है। आरजेडी का कोर वोट माने जाने वाले यादव समुदाय का चुनावी प्रदर्शन कमजोर रहा। 2020 में जहां बिहार विधानसभा में 55 यादव विधायक पहुंचे थे, वहीं इस बार यह संख्या घटकर मात्र 28 रह गई—यानी लगभग आधी। दिलचस्प बात यह रही कि हार ज्यादातर आरजेडी के यादव उम्मीदवारों की हुई, जबकि जेडीयू और भाजपा के कई यादव प्रत्याशी जीत दर्ज करने में सफल रहे। यानी जातीय राजनीति का वह स्टैंडर्ड फार्मूला—जिसमें यादव वोट पूरी मजबूती से एक खेमे में दिखाई देता था—बिखरता हुआ नजर आया। यही कारण है कि अब यूपी की राजनीति में भी सपा के भीतर बेचैनी बढ़ गई है। पार्टी अंदरखाने यह आकलन कर रही है कि अगर वही ट्रेंड 2027 के यूपी चुनाव में रिपीट हुआ, तो सपा को गंभीर नुकसान उठाना पड़ सकता है। यही पृष्ठभूमि है जिसमें अखिलेश यादव ने अपने नेताओं को 'फरमान' जारी करते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती पर टिप्पणी करने से रोक दिया है। यह कदम सिर्फ विवादों से बचने के लिए नहीं, बल्कि एक गहरी रणनीतिक सोच का हिस्सा माना जा रहा है।

यूपी में पीडीए मॉडल को और धार देने की तैयारी-
अखिलेश 2022 से लगातार सामाजिक न्याय और 'पीडीए'—यानी पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक—के फॉर्मूले पर काम कर रहे हैं। बिहार के नतीजों के बाद यह सवाल और प्रबल हुआ है कि क्या यादवों का वोट बैंक भी अब उतना ठोस नहीं रहा जितना पहले माना जाता था? यदि ऐसा है, तो सपा को अन्य वर्गों में पकड़ मजबूत करनी ही होगी। सपा की रणनीति अब दो दिशाओं में चलती दिख रही है— यादव-आधारित छवि को नरम करना, ताकि गैर-यादव पिछड़े, दलित और मुस्लिम वर्ग यह न मानें कि पार्टी सिर्फ "एक जाति" की प्रतिनिधि है। बसपा के वोट बैंक को नाराज़ किए बिना अपने पक्ष में खींचना, ताकि दलित वोटों में सेंध लगे और मायावती-हितैषी वोटरों में सपा के प्रति 'सॉफ्ट कॉर्नर' बन सके।

मायावती पर बस न करने की हिदायत क्यों?-
सपा समझती है कि दलित वोट अभी भी मायावती के प्रति भावनात्मक रूप से संवेदनशील है। उनके खिलाफ आक्रामक टिप्पणी करना दलित समाज को सपा से दूर कर सकता है। इसलिए बयानबाजी रोकने का मतलब है— दलित समुदाय को यह संदेश देना कि सपा बसपा को दुश्मन नहीं, बल्कि विकल्प समझती है। इसके अलावा 2027 की तैयारी में सपा एक बड़े सामाजिक गठजोड़ की तलाश में है। सपा जानती है कि भाजपा को हराने के लिए अकेले यादव-मुस्लिम समीकरण पर्याप्त नहीं होगा।

उत्तर भारत में कड़ाके की सर्दी:

-MP में 2 मौतें, राजस्थान में धुंध और उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली । उत्तर भारत के पर्वतीय इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मैदानी राज्यों पर साफ़ दिखने लगा है। तापमान में तेज़ गिरावट और शीतलहर के बीच मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड में मौसम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले दो दिनों में मध्य प्रदेश में ठंड की वजह से दो लोगों की मौत हो चुकी है, वहीं कई शहरों में शीतलहर ने दिन को भी कंपा दिया।

मध्य प्रदेश में कड़ाके की ठंड, दो दिनों में 2 मौतें-
मध्य प्रदेश में सर्दी इस कदर बढ़ गई है कि बीते 48 घंटों के भीतर दो लोगों की जान जा चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर, उज्जैन, धार, रतलाम, खंडवा और नर्मदापुरम—इन 7 जिलों में शीतलहर चली। ठंडी हवा और गिरते तापमान ने आम जनजीवन को प्रभावित किया। पचमढ़ी में इस सीजन पहली बार न्यूनतम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस पहाड़ी पर्यटन स्थल के लिए भी असामान्य रूप से कम है। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी 500 मीटर तक सीमित रही, जिससे वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। राजधानी भोपाल में भी सुबह और देर शाम की ठंड ने लोगों को घरों में कैद रहने पर मजबूर कर दिया।

राजस्थान में धुंध और स्मॉग, तापमान में हल्की बढ़ोतरी-
दूसरी ओर, राजस्थान में सर्दी के साथ धुंध और स्मॉग की समस्या बढ़ने लगी है। उत्तरी-पश्चिमी हवाएँ अपने साथ नमी और धूलकण लेकर आ रही हैं, जिसके कारण सुबह के समय कई शहरों में घनी धुंध छा गई। दिन के दौरान धूप भी कमजोर रही, जिससे गलन का एहसास बना रहा। हालांकि न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखी गई है और कई शहरों का तापमान सिंगल डिजिट से बढ़कर डबल डिजिट में पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले दो सप्ताह तक तापमान में किसी बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है, लेकिन धुंध की स्थिति बरकरार रह सकती है।

उत्तराखंड में सर्दी चरम पर, झील जमी—बद्रीनाथ में बर्फबारी-
उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बेहद सख्त है। चमोली जिले में ठंड इतनी बढ़ गई कि 'शेषनेत्र' झील का पानी जम गया। यह क्षेत्र में पड़ने वाली भीषण ठंड का संकेत है। इसके अलावा, बद्रीनाथ धाम में गुरुवार को नवंबर की पहली बर्फबारी हुई, जिसके बाद पूरा मंदिर परिसर एक सफेद बर्फ की चादर से ढक गया। यहां का तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। भारी बर्फबारी के कारण यातायात पर भी असर पड़ा है और स्थानीय प्रशासन पर्यटकों को सावधानी बरतने की सलाह दे रहा है।

सावधानी ही बचाव-
मौसम विभाग ने तीनों राज्यों के लिए एडवाइजरी जारी की है। बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष एहतियात बरतने की सलाह दी गई है।

तेजस क्रैश पर वैश्विक प्रतिक्रिया:

-पाक मीडिया ने तकनीकी खामी, अल-जज़ीरा ने बड़ा झटका बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुबई एयर शो के आखिरी दिन भारतीय वायुसेना का हल्का लड़ाकू विमान तेजस एक प्रदर्शनी उड़ान के दौरान क्रैश हो गया। विमान जमीन से टकराते ही आग का बड़ा गोला बन गया और इस हादसे में पायलट की मौत हुई। घटना के तुरंत बाद भारतीय वायुसेना ने कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दे दिए हैं ताकि क्रैश की असली वजह सामने आ सके। अंतरराष्ट्रीय मंच पर तेजस की परफॉर्मेंस पर पहले से ही निगाहें थीं, इसलिए दुनिया भर के मीडिया ने इस घटना को प्रमुखता से कवर किया।

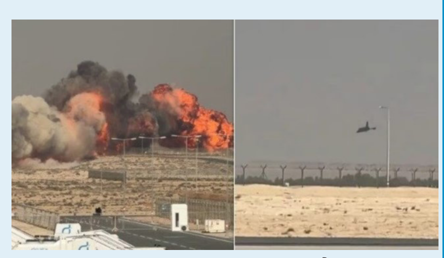

पाकिस्तानी मीडिया: "शायद तेजस खुद को संभाल नहीं पाया"-
पाकिस्तान के प्रमुख अख़बार डॉन न्यूज ने लिखा कि तेजस एक लो-रोल करतब कर रहा था, लेकिन अचानक नियंत्रण खो बैठा और सीधा नीचे आ गिरा। रिपोर्ट में सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो का ज़िक्र भी किया गया, जिसमें विमान तेजी से नीचे आता दिख रहा है और टकराते ही आग का बड़ा धमाका होता है। डॉन के मुताबिक, क्रैश से पहले तेजस के नीचे शॉपिंग बैग रखे होने और विमान से ऑयल लीक की संभावना को लेकर भी चर्चा चल रही थी। हालांकि, इन दावों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अल-जज़ीरा: "भारत को एक और झटका"-
अंतरराष्ट्रीय मीडिया नेटवर्क अल-जज़ीरा ने इस घटना को भारत के लिए बड़ा झटका बताया। चैनल ने कहा कि भारत तेजस को एक आधुनिक, स्वदेशी लड़ाकू विमान के तौर पर ग्लोबल मार्केट में पेश कर रहा है। ऐसे में इंटरनेशनल एयर शो में क्रैश होना भारत की डिफेंस इमेज के लिए चुनौतीपूर्ण है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एयर शो में हजारों दर्शक मौजूद थे और हादसा उनके सामने घटा। कई वैश्विक मीडिया संस्थानों ने तेजस के क्रैश को लेकर सवाल उठाए हैं—क्या यह तकनीकी खराबी थी, मैकेनिकल फेल्योर, या उड़ान के दौरान किसी दबाव की स्थिति?

अल-फलाह यूनिवर्सिटी की लैब से केमिकल बाहर ले जाने का शक, रिकॉर्ड में गड़बड़ी

-दिल्ली ब्लास्ट में 'साइंटिफिक टेरर मॉड्यूल' का नया एंगल

नई दिल्ली । दिल्ली के लाल क़िला मेट्रो स्टेशन पार्किंग में 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट में 15 लोगों की मौत और 20 से ज़्यादा घायल होने के बाद जांच एजेंसियों ने अब एक बेहद महत्वपूर्ण सुराग पर फोकस बढ़ा दिया है। ताज़ा इनपुट के मुताबिक यह हमला सिर्फ एक सामान्य आतंकी मॉड्यूल की करतूत नहीं, बल्कि हाई-इंटेलेक्ट साइंटिफिक नेटवर्क द्वारा प्लान किया गया 'व्हाइट कॉलर टेरर ऑपरेशन' था। इस मॉड्यूल ने मेडिकल एजुकेशन की आड़ में रसायन (केमिकल) और लैब उपकरण हासिल किए, ताकि विस्फोटक तैयार किए जा सकें। जांच में सामने आया है कि हरियाणा की अल-फलाह यूनिवर्सिटी की केमिस्ट्री और बायो-लैब के रिकॉर्ड में गंभीर गड़बड़ियां हैं। दैनिक भास्कर के सूत्रों के अनुसार लैब के ग्लासवेयर—जैसे बीकर, फ्लास्क, टेस्ट ट्यूब—और कंज्यूमेबल सामग्री की एंट्री तो की गई, लेकिन उनकी खपत, टूट-फूट, रिटर्न या रिप्लेसमेंट का कोई साफ रिकॉर्ड नहीं है। यह भी पाया गया कि कुछ खास केमिकल्स और कंटेनर छोटे-छोटे बैचों में बार-बार उठाए गए, ताकि किसी एक बड़े उठान पर संदेह न हो। इस पैटर्न ने जांच एजेंसियों का ध्यान खींचा और शक गहरा गया कि केमिकल धीरे-धीरे बाहर भेजा जा रहा था, जिसे शैक्षणिक गतिविधियों के नाम पर 'कवर' किया गया। सूत्र बताते हैं कि जिन ग्लासवेयर और छोटे कंटेनरों को बाहर ले जाया गया, वे विशेष रूप से सटीक मिश्रण (प्रिसाइज़ ब्लेंडिंग) और स्टेबलाइजेशन टेस्टिंग में उपयोग होते हैं। इसका मतलब साफ है—यह सिर्फ रैंडम चोरी नहीं थी, बल्कि विस्फोटक तैयार करने की वैज्ञानिक प्रक्रिया बड़े ध्यान से प्लान की जा रही थी। NIA ने अब इस केस में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए डॉ. मुजम्मिल, डॉ. शाहीन और डॉ. अदील को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ शुरू कर दी है।

एजेंसियों का मकसद यह पता लगाना है कि—
लैब से कौन-कौन सा केमिकल कौन चुनता था?
ब्लेंडिंग या मिक्सिंग की वैज्ञानिक प्रक्रिया किसने डिजाइन की?
बाहर जाने वाले ग्लासवेयर और कंटेनरों की जिम्मेदारी किसकी थी?
क्या कोई बाहरी नेटवर्क इन छात्रों/डॉक्टर्स से जुड़ा हुआ था?
जांच में यह भी माना जा रहा है कि यह मॉड्यूल हाई क्वॉलिटी साइंटिफिक नॉलेज वाले लोगों का था, जो केमिस्ट्री और मेडिकल साइंस के नाम पर यूनिवर्सिटी सिस्टम का दुरुपयोग कर रहे थे। ये लोग 'व्हाइट कॉलर' बैकग्राउंड से हैं—यानी बाहरी तौर पर पढ़े-लिखे, प्रोफेशनल, और आम तौर पर संदिग्ध प्रोफाइल न दिखने वाले। दिल्ली ब्लास्ट की जांच में यह एंगल बेहद महत्वपूर्ण होता जा रहा है, क्योंकि अब तक पकड़े गए 6 आरोपियों में कई ऐसे लोग शामिल हैं जो तकनीकी रूप से सक्षम और शिक्षित हैं। इससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है।

ट्रम्प—ममदानी पहली मुलाक़ात:

-तानाशाह वाले सवाल पर ट्रम्प बोले—"हां कह दो, मुझे फर्क नहीं पड़ता"

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीति में शुक्रवार का दिन एक दिलचस्प और सुर्ख़ियों भरा साबित हुआ, जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी की व्हाइट हाउस में पहली मुलाक़ात हुई। चुनाव अभियान के दौरान दोनों के बीच तीखी बयानबाज़ी हुई थी, इसलिए आमने-सामने आना अपने-आप में एक बड़ा राजनीतिक मोमेंट माना गया। मीडिया ब्रीफिंग के दौरान माहौल तब और रोचक हो गया जब एक पत्रकार ने ममदानी से पूछा कि क्या वह आज भी ट्रम्प को फासिस्ट या तानाशाह मानते हैं। इससे पहले कि ममदानी कुछ कहते, ट्रम्प खुद बोल पड़े— "कोई बात नहीं, हां कह दो... इससे समझाना आसान है, और मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।" ट्रम्प के इस जवाब पर मीडिया भी कुछ पल के लिए हैरान रह गया।

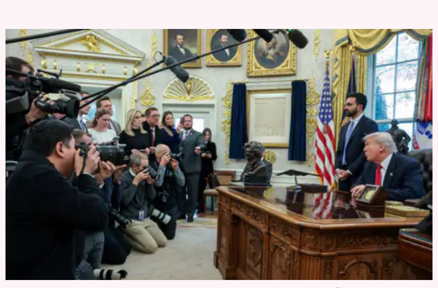

इसके बाद एक रिपोर्टर ने सवाल उठाया कि ममदानी लगातार कार्बन उत्सर्जन पर ट्रम्प सरकार की नीतियों को चुनौती देते रहे हैं, तो फिर वह निजी विमान से वॉशिंगटन क्यों आए? इस पर ट्रम्प ने ममदानी का बचाव करते हुए कहा कि "वह बहुत मेहनत करने वाले इंसान हैं और इस मुलाक़ात के लिए उनका यहां आना ज़रूरी था, इसमें कोई गलत बात नहीं।" यह पूरा दृश्य इसलिए भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि न्यूयॉर्क मेयर चुनाव के दौरान दोनों नेताओं के बीच बयानबाजी अपने चरम पर थी। ट्रम्प ने ममदानी को "कम्युनिस्ट पागल" और "जिहादी" कहकर निशाना बनाया था, वहीं ममदानी ने ट्रम्प को "तानाशाह" और "फासिस्ट" बताने में कोई कमी नहीं छोड़ी थी।

G20 समिट में तीन दिग्गज नेताओं की गैरहाजिरी

-भारत की भूमिका हुई और अहम

केप टाउन (एजेंसी)। इस साल साउथ अफ्रीका में होने वाला G20 समिट कई वजहों से सुर्खियों में है। सबसे बड़ी बात—अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने समिट में न आने का फैसला किया है। ट्रम्प ने कहा कि वे साउथ अफ्रीका में गोरे किसानों पर हो रहे अत्याचार के विरोध में इस बैठक से दूरी बना रहे हैं। इसे उन्होंने मानवाधिकार का मुद्दा बताते हुए अपनी अनुपस्थिति को जायज़ ठहराया। इधर, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी इस बार G20 में हिस्सा नहीं लेंगे। यूक्रेन युद्ध के चलते इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC) ने उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया हुआ है। G20 की मेजबानी करने वाला साउथ अफ्रीका ICC का सदस्य है, इसलिए पुतिन को गिरफ्तारी की आशंका सता रही है। इसी वजह से उन्होंने वर्चुअल माध्यम से जुड़ने का फैसला किया है। तीसरी बड़ी गैरहाजिरी है चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की। मीडिया रिपोर्ट्स दावा करती हैं कि जिनपिंग की तबीयत ठीक नहीं है और इसी कारण वे यात्रा नहीं कर रहे। तीन बड़ी शक्तियों के शीर्ष नेताओं की अनुपस्थिति ने इस समिट को असामान्य बना दिया है। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका और भी अहम हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीनों प्रमुख सेशनों में हिस्सा लेंगे और समावेशी विकास, जलवायु परिवर्तन, आर्थिक स्थिरता, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व वैश्विक दक्षिण (Global South) की चुनौतियों पर अपनी बात रखेंगे। रवानगी से पहले पीएम मोदी ने कहा कि यह समिट ऐतिहासिक महत्व रखता है, क्योंकि पहली बार G20 अफ्रीकी महाद्वीप में आयोजित हो रहा है।

अंबरनाथ फ्लाईओवर पर भीषण हादसा:

-हार्ट अटैक आने से अनियंत्रित कार ने 5 वाहनों को मारा टक्कर, 4 की मौत, 3 घायल

ठाणे । महाराष्ट्र के ठाणे जिले के अंबरनाथ शहर में शुक्रवार शाम एक दिल दहला देने वाला हादसा हो गया। फ्लाईओवर पर तेज रफ्तार से आ रही एक कार अचानक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे 4–5 वाहनों से जोरदार टक्कर मारती चली गई। यह भयावह घटना शाम 6 बजकर 42 मिनट पर हुई और कुछ ही सेकेंड में मौत का मंजर बन गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 3 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे का कारण कार चला रहे शख्स को अचानक आया हार्ट अटैक बताया जा रहा है। ड्राइवर की भी मौके पर ही मौत हो गई।

CCTV में कैद हुआ भयावह मंजर-
हादसा फ्लाईओवर के पास लगी एक इमारत के CCTV कैमरे में पूरी तरह रिकॉर्ड हुआ है। फुटेज में साफ दिख रहा है कि फ्लाईओवर पर दोनों तरफ से वाहनों की भारी आवाजाही है। भीड़ भी काफी है। तभी अचानक तेज स्पीड में आती कार संतुलन खो देती है और सामने से आ रही दो बाइकों समेत कई वाहनों से जोरदार भिड़त करती है। CCTV में दिखता है कि टक्कर इतनी भयानक थी कि एक बाइक सवार युवक हवा में कई फीट ऊपर उछल गया और फ्लाईओवर की रेलिंग पार कर नीचे जा गिरा। घटना देखकर वहां मौजूद लोग भी सहम गए। कई राहगीर कुछ सेकेंड तक समझ ही नहीं पाए कि आखिर हुआ क्या है।

कार पलटकर बीच सड़क पर रुक गई, मची अफरा-तफरी-
लगातार टक्कर मारते हुए कार कुछ दूरी पर जाकर पलट गई। जैसे ही कार उलटी होकर रुकी, चारों ओर चीख-पुकार मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने दौड़कर देखा तो सड़क पर बाइकें टूटकर बिखर चुकी थीं। कुछ लोग खून से लथपथ पड़े थे। फ्लाईओवर और नीचे सड़क दोनों ओर अचानक बड़ी भीड़ जमा हो गई। लोगों ने तुरंत घायलों को संभालने की कोशिश की और ऐंबुलेंस को सूचना दी। कुछ ही मिनटों में ऐंबुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को पास के अस्पताल ले जाया गया।

4 लोगों की मौत, 3 की हालत अभी भी गंभीर-
हादसे में 4 लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के शिकार हुए 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हैं और अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों घायलों की हालत अभी भी नाजुक बनी हुई है। दूसरी ओर, कार चला रहे शख्स की भी हार्ट अटैक के चलते मौत हो गई। माना जा रहा है कि उन्हें ड्राइविंग के दौरान ही अचानक हार्ट अटैक आया, जिसके चलते उन्होंने कार से नियंत्रण खो दिया और यह भीषण टक्करें हो गईं।

भाग्य से बच गए कई पैदल यात्री-
CCTV वीडियो में यह भी दिखता है कि फ्लाईओवर के नीचे और आसपास कई पैदल लोग गुजर रहे थे। यदि कार नीचे की ओर गिरती या सीधे फुटपाथ की तरफ बढ़ती, तो मौके पर और भी बड़ी जनहानि हो सकती थी। मौके पर मौजूद लोग मान रहे हैं कि यह एक बड़ा चमत्कार ही है कि सड़क के किनारे खड़े पैदल राहगीरों को एक भी चोट नहीं लगी।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,